हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

वर्ष : 03 अंक 326 | गुरूवार 20 मार्च 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर | आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 | पेजः 8 | मूल्य : 2 रुपया

संसद भवन पहुंचे बिल गेट्सः जेपी नड्डा से मुलाकात के दौरान कई मुददों पर की चर्चा

नई दिल्ली । गेट्स फाउंडेशन के चेयरमैन और माइक्रोसॉफ्ट के पूर्व सीईओ बिल गेट्स बुधवार को अचानक दिल्ली के संसद भवन पहुंचे। यहां उन्होंने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की। यह गेट्स का भारत दौरा तीन साल में तीसरी बार है। मुलाकात के दौरान, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने गेट्स फाउंडेशन के साथ साझेदारी में हेल्थ सेक्टर में हासिल की गई उपलब्धियों पर चर्चा की। गेट्स ने भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र में निर्धारित महत्वाकांक्षी लक्ष्यों की सराहना की। इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए भारत के साथ साझेदारी करने की अपनी प्रतिबद्धता जताई। इसके अलावा, उन्होंने सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने और दवाओं की लागत को कम करने में भारत के योगदान की सराहना की।

सरकार ने वाट्सऐप से मिलाया हाथ, अब ऑनलाइन ठगी करने वालों की खैर नहीं

-सुरक्षा अभियान चलाकर धोखाधड़ी वाले संदेशों की पहचान कर लोगों को करेंगे जागरुक

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग और वॉट्सऐप ऑनलाइन फर्जीवाड़े और स्पैम के खिलाफ सुरक्षा अभियान चलाने साथ आए हैं। इस पार्टनरशिप के तहत दूरसंचार विभाग और व्हाट्सएप संदिग्ध धोखाधड़ी वाले संदेशों की पहचान करने और लोगों को जागरुक करने का काम करेंगे। आधिकारिक बयान के मुताबिक दूरसंचार विभाग ने ऑनलाइन फर्जीवाड़े और स्पैम के खिलाफ मेटा के सुरक्षा अभियान 'घोटाले से बचाओ' का विस्तार करने के लिए व्हाट्सएप के साथ हाथ मिलाया है। व्हाट्सएप की पैरेंट कंपनी मेटा के वैश्विक मामलों के मुख्य अधिकारी जोएल काप्लान और दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दूरसंचार विभाग और मेटा के बीच चल रहे सहयोग की प्रभावशीलता पर चर्चा की। व्हाटसएप दूरसंचार संसाधनों के दुरुपयोग पर सक्रिय कार्रवाई के लिए डिजिटल आसूचना मंच (डीआईपी) से मिली जानकारी का इस्तेमाल कर रहा है। दूरसंचार विभाग का डीआईपी दूरसंचार संसाधनों के दुरुपयोग के बारे में बैंकों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों जैसे 550 हितधारकों के साथ दोतरफा डिजिटल खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान करता है। बता दें पिछले कुछ सालों में देश में साइबर क्राइम और ऑनलाइन स्कैम के मामले काफी बढ़ गए हैं। लाखों लोगों ने इसमें फंसकर करोड़ों रुपए गंवाए है। खासकर, इन दिनों डिजिटल अरेस्ट के मामले सामने आ रहे हैं। वाट्सऐप के जरिए भी कई साइबर अपराधी वीडियो व वाइस कॉल और चैट के जरिए यूजर्स को अपना शिकार बना रहे हैं। ऐसे में दूरसंचार विभाग की वाट्सऐप के साथ यह साझेदारी काफी हद तक डिजिटल क्राइम पर अंकुश लगा सकती है। हालांकि, दूरसंचार विभाग और अन्य टेलिकॉम ऑपरेटर्स ने स्पैम कॉल और ऑनलाइन धोखाधड़ी पर लगाम लगाने के लिए कई कदम उठाएं गए हैं।

चुनाव आयुक्त की नियुक्ति वाले कानून के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में 16 अप्रैल को सुनवाई

नई दिल्ली। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए बने कानून को चुनौती देने वाली याचिका पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने अगली तारीख 16 अप्रैल तय की है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स, लोक प्रहरी और जया ठाकुर समेत कई याचिकाकर्ताओं ने नए कानून को चुनौती दी है। याचिकाकर्ता का सवाल है कि चुनाव आयुक्त का चयन करने वाली कमेटी में चीफ जस्टिस को बाहर क्यों कर दिया गया।

फोर्स से घबराए नक्सलियों ने तोड़ी बटालियन

-सुरक्षा बलों पर गुरिल्ला वार कर सकते हैं नक्सली

जगदलपुर। सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई से नक्सलियों ने संगठन स्तर पर कई बड़े फेरबदल किए हैं। बस्तर में सक्रिय देश की इकलौती नक्सल बटालियन को भी नक्सलियों ने कई टुकड़ों में तोड़ दिया है। अब नक्सली छोटे-छोटे समूहों में गुरिल्ला वार की रणनीति बना रहे हैं, जबकि पहले गर्मियों में नक्सली बड़े हमले करते थे। बस्तर में मार्च, अप्रैल, मई और जून के समय को नक्सली टैक्टिकल काउंटर ऑफेंसिव कैंपेन (टीसीओसी) कहते हैं।

यह वही समय है, जब जंगल के भीतर दृश्यता बढ़ जाने का लाभ उठाकर नक्सली बड़े हमले करते रहे हैं। टीसीओसी के दौरान हुए हमले में तीन अप्रैल, 2010 को ताड़मेटला हमले में 76 जवान, 25 अप्रैल, 2017 को सुकमा के बुरकापाल में 32 जवान और तीन अप्रैल 2021 को टेकुलगुड़ेम मुठभेड़ में 22 जवान बलिदान हो गए थे, जबकि इस बार स्थिति बदली हुई है। नक्सलियों के पुनर्वास की सरकार की नई नीति के चलते भी कई नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। ऐसे लोगों को फिर से मुख्यधारा में जोड़ा जा रहा है। राज्य में शांति स्थापित होने से विकास कार्यों में तेजी आएगी।

'अंतरिक्ष परी' सुनीता विलियम्स ने रचा महा इतिहास, नौ महीने बाद किया धरती को स्पर्श

सुनीता विलियम्स का पहला रिएक्शन- हाथ हिलाते हुए गुरुत्वाकर्षण महसूस किया

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने बुधवार को सुबह 3:27 बजे फ्लोरिडा के तट पर स्पेसएक्स ड्रैगन फ्रीडम अंतरिक्ष यान में यात्रा करते हुए पृथ्वी पर अपने कदम रखे। जैसे ही कैप्सूल पानी में लैंड हुआ कि इस ऑपरेशन में जुटे अधिकारियों ने राहत की सांस ली। कैप्सूल के पृथ्वी पर पहुंचते ही इसे एक रिकवरी वेसल पर उठाया गया। साइड हैच को खोलकर चारों अंतरिक्ष यात्रियों को बाहर निकाला गया। क्रू-9 के कमांडर निक हैग ग्राउंड क्रू की मदद से सबसे पहले ड्रैगन कैप्सूल से बाहर आए। इसके बाद रॉसकोसमॉस के अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर गोर्बुनोव बाहर आए।इसके बाद सुनीता विलियम्स को बाहर निकाला गया। कैप्सूल से बाहर निकलते हुए हाथ हिलाते हुए मुस्कुराते हुए पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण को महसूस किया। बुच विलमोर कैप्सूल से बाहर आने वाले अंतिम अंतरिक्ष यात्री थे। अंतरिक्ष यात्रियों के सुरक्षित रूप से बाहर निकलने पर सभी खुश दिखे।बता दें कि इन अंतरिक्ष यात्रियों ने मंगलवार को अंतरिक्ष से प्रस्थान किया था और 17 घंटे की यात्रा करके पृथ्वी पर लौटे। अब इनको ह्यूस्टन भेजा जाएगा जहां वे 45 दिनों के पुनर्वास कार्यक्रम से गुजरेंगे।

डॉल्फिन ने किया स्वागत

उनके लिए सबसे बड़ी हैरानी की बात यह रही कि जैसे ही अंतरिक्ष यान पानी में लैंड किया डॉल्फिन का एक समूह उनका स्वागत करने आया।एलन मस्क की स्पेसएक्स कंपनी ने क्रू-9 के अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित पृथ्वी पर लाने का जिम्मा उठाया था। इस मिशन को ड्रैगन कैप्सूल के माध्यम से पूरा किया गया, जिसे फाल्कन 9 रॉकेट द्वारा लॉन्च किया गया था। अब क्रू-10 ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर ऑपरेशन्स संभाल लिए हैं।

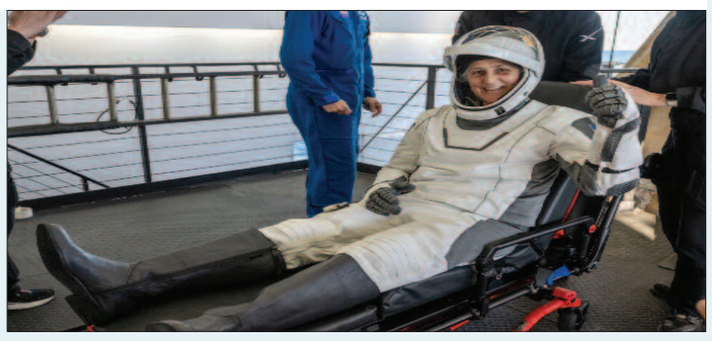

फ्रीबीज पर सदन करे विचार, देश की प्रगति तभी जब पूंजीगत व्यय उपलब्ध हो

-राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सदन में रखे अपने विचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि प्रलोभन तंत्रों पर, तुष्टिकरण पर, जिसे अक्सर फ्रीबीज के रूप में जाना जाता है, सदन को विचार करने की जरुरत है क्योंकि देश तभी प्रगति करता है जब पूंजीगत व्यय उपलब्ध हो। राज्यसभा में बुधवार को उन्होंने कहा कि चुनावी प्रक्रिया ऐसी हो गई है कि ये चुनावी प्रलोभन बन गए हैं। इसके बाद सत्ता में आई सरकारों को इतनी असहज स्थिति का सामना करना पड़ा कि वे अपनी सोच पर पुनर्विचार करना चाहती थीं। एक राष्ट्रीय नीति की अत्यंत जरुरत है ताकि सरकार के सभी निवेश किसी भी रूप में बड़े हित में उपयोग किए जा सकें।

इससे पहले राज्यसभा में समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने सांसद निधि को बढ़ाकर 20 करोड़ रुपए प्रति वर्ष किए जाने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि सांसद निधि को जीएसटी के दायरे से बाहर

रखा जाए। उनका कहना था कि यदि यह संभव नहीं है तो फिर सांसद निधि के प्रावधान को ही खत्म कर देना चाहिए। यादव का कहना था कि मौजूदा सांसद निधि नाकाफी है, जिसके कारण जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र में काम नहीं करवा पाते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि एक संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विभिन्न विधायकों को कुल मिलाकर सांसद से कहीं ज्यादा निधि मिलती है।

सभापति ने फ्रीबीज के मुद्दे पर सदन को विचार करने की बात कही। सभापति ने कहा कि हमारे संविधान में विधायिका, सांसदों, विधायकों के लिए प्रावधान किया गया था, लेकिन एक समान तंत्र नहीं था। इसलिए, आप देखेंगे कि कई राज्यों में विधानसभाएं सदस्यों को सांसदों की तुलना में अधिक भत्ते और वेतन देती हैं, और यहां तक कि पूर्व विधायकों की पेंशन में भी एक से 10 तक का अंतर है। यदि एक राज्य में किसी को एक रुपया मिलता है, तो दूसरे राज्य में पेंशन 10 गुना हो सकती है। ये ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें कानून के जरिए हल किया जा सकता है और इससे राजनेताओं, सरकार, कार्यपालिका को लाभ होगा और यह उच्च गुणवत्ता वाले निवेश को भी सुनिश्चित करेगा।

उन्होंने कहा कि यदि कृषि क्षेत्र जैसी जरुरतों के लिए सब्सिडी की जरूरत है, तो इसे सीधे प्रदान की जाना चाहिए और यही विकसित देशों में प्रचलित है। मैंने अमेरिकी प्रणाली की जांच की। अमेरिका में हमारे देश की तुलना में 20 फीसदी कृषि परिवार हैं, लेकिन वहां कृषि परिवार की औसत आय अमेरिका के सामान्य परिवार की आय से ज्यादा है। इसका कारण यह है कि वहां किसानों को दी जाने वाली सब्सिडी सीधी, पारदर्शी और बिना किसी बिचौलिए के दी जाती है।

किसानों और सरकार के बीच बैठक रही बेनतीजा, 4 मई को फिर होगी चर्चा

केंद्रीय मंत्री चौहान ने बैठकों को सकारात्मक बताया

चंडीगढ़ (एजेंसी)। फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सहित अन्य मांगों को लेकर बुधवार को केंद्र और किसानों के बीच सातवें दौर की वार्ता करीब चार घंटे चली। लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। वार्ता के बाद केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि दोनों तरफ से हुई बातचीत सकारात्मक और उद्देश्य पूर्ण रही। अब अगली बैठक 4 मई को होगी।

किसानों की ओर से संयुक्त किसान मोर्चा के नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल और किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) के संयोजक सरवन सिंह पंधेर की अगुआई में 28 किसान नेता पहुंचे थे। वहीं, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रह्लाद जोशी और पीयूष गोयल के अलावा पंजाब सरकार की ओर से कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां और वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा किसानों से बातचीत की। मगर, इसमें कोई नतीजा नहीं निकला।

बैठक के बाद पंजाब के वित्त मंत्री चीमा ने कहा कि पिछली बैठक में किसान जत्थेबंदियों की ओर से मांगों को लेकर सूची शेयर की गई थी। जिस डेटा के आधार पर किसान एमएसपी सहित अन्य मांगे कर रहे थे। आज केंद्र सरकार के साथ किसानों की बैठक में उस पर चर्चा हुई है। अन्य सभी मुद्दों पर भी चर्चा की गई। अब केंद्र व्यापारी और अन्य उन वर्ग, जोकि किसानी से जुड़े हुए हैं, एक बार बातचीत करेगी। वार्ता में इस बात की सहमति बनी है कि इस एजेंडे पर 4 मई को दोबारा मीटिंग की जाएगी।

उधर, किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि अचानक पंजाब सरकार ने शंभू और खनौरी बॉर्डर पर पुलिस फोर्स बढ़ा दी है। ये बात पंजाब सरकार ही बता सकती है कि ये हमारी सुरक्षा के लिए है या कुछ और इनपुट है।

केंद्रीय कैबिनेट ने संशोधित राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम को मंजूरी दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को संशोधित राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम को मंजूरी दे दी। इस कार्यक्रम के लिए केंद्र सरकार ने 1,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बजट स्वीकृत किया है, जिससे इसकी कुल लागत बढ़कर 2,790 करोड़ रुपये हो गई है। यह बजट 2021-22 से 2025-26 की अवधि के लिए तय किया गया है। इस योजना का उद्देश्य देश में डेयरी सेक्टर का आधुनिकीकरण और विस्तार करना है, जिससे दूध की खरीद, प्रसंस्करण क्षमता और गुणवत्ता नियंत्रण में सुधार होगा। इसके जरिए किसानों को बेहतर बाजार पहुंच और उचित दाम मिलेंगे जिससे ग्रामीण विकास को बढ़ावा मिलेगा। इस कार्यक्रम में दो प्रमुख घटक शामिल हैं। घटक ए के तहत डेयरी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जाएगा, जिसमें दूध ठंडा करने वाले संयंत्र, उन्नत दूध परीक्षण प्रयोगशालाएं और प्रमाणन प्रणाली बनाई जाएंगी। साथ ही, उत्तर-पूर्व, पहाड़ी क्षेत्रों और केंद्र शासित प्रदेशों में नई गांव स्तरीय डेयरी सहकारी समितियों का गठन होगा। इसके अलावा, इस घटक के तहत दो मिल्क प्रोड्यूसर कंपनियों का निर्माण किया जाएगा, जिन्हें सरकार वित्तीय सहायता देगी।

अमेरिका ने भी लादेन की नहीं बनने दी थी कब्र, औरंगजेब विवाद के बीच शिंदे का तीखा तंज

मुंबई। नागपुर में एक दिन पहले हुई हिंसा के संबंध में विधान परिषद में उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुगल बादशाह औरंगजेब के कथित महिमामंडन पर सवाल उठाया। बता दें कि औरंगजेब की कब्र को दक्षिणपंथी संगठन हटाने की मांग कर रहे हैं और इसको लेकर विवाद खड़ा हो गया है।मध्य नागपुर के चिटनिस पार्क इलाके में सोमवार शाम करीब साढ़े सात बजे हिंसा भड़क उठी। यह अफवाह फैली थी कि औरंगजेब की कब्र को हटाने के लिए एक दक्षिणपंथी संगठन के प्रदर्शन के दौरान एक समुदाय का धर्मग्रंथ जला दिया गया।

शिंदे ने अपना संबोधन जारी रखते हुए कहा, अनिल परब को यह नहीं भूलना चाहिए कि मैंने जो कुछ भी किया, खुलेआम किया और मैंने यह शिवसेना को औरंगजेब (कांग्रेस) से सहानुभूति रखने वालों से बचाने के लिए किया। यह कांग्रेस ही थी जिसने औरंगजेब की कब्र को सुरक्षा प्रदान की थी।

परब के इस आरोप का जिक्र करते हुए कि शिंदे ने केंद्रीय एजेंसियों के डर से महा विकास आघाडी (एमवीए) छोड़ कर भाजपा से गठजोड़ किया था, उपमुख्यमंत्री ने पलटवार करते हुए कहा, यहां तक कि अमेरिका ने भी ओसामा बिन लादेन को मारने के बाद यह सुनिश्चित किया था कि उसे जमीन पर न दफनाया जाए। उसने किसी भी तरह के महिमामंडन को रोकने के लिए ही उसे समुद्र में दफन किया था।

नागपुर सांप्रदायिक हिंसा का मास्टरमाइंड फहीम शमीम खान गिरफ्तार

-कोर्ट ने 21 मार्च तक पुलिस हिरासत में भेजा

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नागपुर में सोमवार रात हुई हिंसा के बाद स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन शहर के कई संवेदनशील इलाकों में कर्फ्यू जारी है। इस बीच नागपुर पुलिस ने बुधवार को सांप्रदायिक हिंसा के मास्टरमाइंड फहीम शमीम खान को गिरफ्तार किया। इसके बाद कोर्ट ने आरोपी फहीम को 21 मार्च तक पुलिस की हिरासत में भेज दिया है। फहीम नागपुर शहर में हुए सांप्रदायिक हिंसा का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। इस हिंसा में कई लोग घायल हो गए थे।

फहीम एमडीपी का नगर अध्यक्ष है और नागपुर के संजय बाग कॉलोनी में रहता है। सांप्रदायिक झड़पों के सिलसिले में दर्ज एफआईआर में उसका नाम आधिकारिक तौर पर शामिल है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि फहीम खान ने झड़प शुरू होने से कुछ

समय पहले कथित तौर पर भड़काऊ भाषण दिया था। पुलिस अधिकारियों ने दावा किया कि उनके भाषण ने इलाके में सांप्रदायिक तनाव को भड़काया, इसके बाद हिंसा भड़क उठी।

वहीं इसके पहले नागपुर के पुलिस आयुक्त रविंद्र कुमार सिंघल ने बताया कि दोपहर बाद स्थिति की समीक्षा होगी। वहीं, एक अन्य अधिकारी ने बताया कि संवेदनशील इलाकों में दो हजार से अधिक सशस्त्र पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि इसी तरह, त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी) और दंगा नियंत्रण पुलिस (आरसीपी) द्वारा पुलिस उपायुक्त रैंक के अधिकारी के नेतृत्व में गश्त की जा रही है। पुलिस के अनुसार, अब कोतवाली, गणेशपेठ, तहसील, लकडगंज, पाचपावली, शांति नगर, सक्करदरा, नंदनवन, इमामवाडा, यशोधरा नगर और कपिल नगर पुलिस थाना क्षेत्र में आने वाले इलाकों में कर्फ्यू प्रभावी है। अधिकारियों के अनुसार, सोमवार रात हुई हिंसा में तीन पुलिस उपायुक्तों सहित 12 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। पथराव और आगजनी के सिलसिले में अब तक करीब 50 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपी लड़ चुका है गडकरी के खिलाफ चुनाव

बात दें कि फहीम ने 2024 के लोकसभा चुनाव में नागपुर सीट से अल्पसंख्यक डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। बीजेपी के दिग्गज नेता और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से 6.5 लाख से अधिक वोटों के बड़े अंतर से हार गया था।

रेलवे में 2029 तक खत्म हो जाएगी आईसीएफ कोचों की कहानी

नई दिल्ली । मौजूदा समय आईसीएफ वंदेभारत एक्सप्रेस यात्रियों की पसंदीदा ट्रेन बनी हुई है। इसकारण भारतीय रेलवे का फोकस वंदेभारत ट्रेनों को अधिक से अधिक चलाने का है। मौजूदा समय करीब 150 सर्विस वंदेभारत की चल रही हैं। वहीं केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया है कि सारे आईसीएफ कोचों को एलएचबी में बदला जा रहा है। लोगों के मन सवाल उठने लगा कि वंदेभारत का क्या होगा? क्योंकि यह ट्रेन आईसीएफ (इंटीग्रल कोच फैक्ट्री) में तैयार की जा रही है, इसकारण इंजन में आईसीएफ लिखा होता है।

रेलमंत्री ने बताया कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में सभी आईसीएफ कोचों को एलएचबी में बदला जाएगा। रेल मंत्रालय के अनुसार वंदेभारत एक्सप्रेस आईसीएफ में तैयार हो रही है। इसके अलावा इसी फैक्ट्री में अन्य कोचों को भी तैयार किया गया है। जिनका रंग नीला होता है। रेल मंत्री के अनुसार इन नीलें रंग वाले कोचों को हटाया जाना है। इनके स्थान पर एलएचबी कोच लगाने की तैयारी है। मौजूदा समय भारतीय रेलवे में दो तरह के कोच चल रहे हैं, आईसीएफ (इंटीग्रल कोच फैक्ट्री) और एलएचबी (लिंक हॉफमेन बुश) तकनीक के। आईसीएफ फैक्ट्री के नाम के साथ तकनीक का भी नाम है जो पुरानी हो चुकी है जबकि एलएचबी नई तकनीक है। आईसीएफ के कोच नीले और एलएचबी के लाल रंग के (राजधानी जैसे) कोच होते हैं। मौजूदा समय कुल 740 रैक (ट्रेन) आईसीएफ तकनीक के दौड़ रहे हैं। रेलवे ने इस सभी कोचों को बदलने के लिए डेडलाइन तय कर दी है।

राष्ट्र को सर्वोपरि रखें, एकजुट रहें और ईमानदारी से कर्तव्यों का निर्वहन करें: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली(एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोगों से आह्वान किया है कि वे हमेशा राष्ट्र को सर्वोपरि रखें, एकजुट रहें, ईमानदारी से कर्तव्यों का निर्वहन करें और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में निडरता से आगे बढ़ें, जो मेजर बॉब खाथिंग के मूल सिद्धांत थे। उन्होंने कहा कि मेजर बॉब खाथिंग एक असाधारण व्यक्ति थे, जिन्होंने पूर्वोत्तर क्षेत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा में अमूल्य योगदान दिया। रक्षा मंत्री बुधवार को दिल्ली कैंट में भारतीय सेना, असम राइफल्स और यूनाइटेड सर्विसेज इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया (यूएसआई) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित मेजर बॉब खाथिंग स्मारक कार्यक्रम के पांचवें संस्करण को संबोधित कर रहे थे।

मेजर बॉब खाथिंग को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राजनाथ सिंह ने

कहा कि भारत भाग्यशाली है कि यह ऐसे प्रमुख व्यक्तित्वों का घर है, जिनके लिए राष्ट्र की सुरक्षा, अखंडता और संप्रभुता सर्वोपरि है। उन्होंने मेजर खाथिंग को भारत का महान सपूत बताया, जिन्होंने युद्ध के मैदान में अपनी बहादुरी और कूटनीति के क्षेत्र में कौशल के माध्यम से देश के इतिहास में एक अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने कहा कि ऐसे महान व्यक्तित्वों के आदर्शों और सिद्धांतों को अपनाना लोगों की जिम्मेदारी है। रक्षा मंत्री ने न केवल तवांग बल्कि पूरे उत्तर-पूर्व क्षेत्र को एकीकृत, विकसित और पुनर्निर्माण करने में मेजर खाथिंग की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि मेजर बॉब खाथिंग ने राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने उत्तर-पूर्व के लिए जो काम किया, वह सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर किए गए काम के समान है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि मेजर बॉब खाथिंग ने एक भी गोली चलाए बिना तवांग को भारत में कुशलतापूर्वक एकीकृत किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ऐसे क्रांतिकारियों के सिद्धांतों का पालन करती है। उन्होंने कहा कि हमने एक भी गोली चलाए बिना सबसे बड़ी बाधा- अनुच्छेद 370 - को हटाकर जम्मू-कश्मीर का भारत में पूर्ण विलय किया। सभी हितधारकों को ध्यान में रखते हुए पूरी सुरक्षा के साथ शांतिपूर्वक काम किया गया। राजनाथ सिंह ने मेजर खाथिंग की प्रशासनिक दक्षता, विशेष रूप से सशस्त्र सीमा बल और नगालैंड सशस्त्र पुलिस के गठन और ऐसे अन्य सुधारों में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसी तरह सरकार प्रशासनिक सुधारों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने कहा कि %न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन% और %सुशासन% के माध्यम से हमने लोगों और सरकार के बीच की खाई को कम किया है। 'डिजिटल इंडिया' और 'जन धन, आधार, मोबाइल (जैम) ट्रिनिटी' के माध्यम से आज प्रशासन अधिक जन-उन्मुख हो गया है। रक्षा मंत्री ने बताया कि सरकार की विदेश नीति मेजर खाथिंग जैसे व्यक्तित्वों के कूटनीतिक कौशल पर आधारित है। उन्होंने कहा कि आज भारत बहुध्रुवीय विश्व में व्याप्त अनिश्चितताओं के बीच अपनी हार्ड पावर और सॉफ्ट पावर के बीच संतुलन बनाए हुए है। यह बहुत गर्व की बात है कि भारत ने अपनी वैश्विक स्थिति को मजबूत किया है। दुनिया के सामने एक नया, मजबूत और संगठित भारत उभरा है। एक समय था जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को गंभीरता से नहीं लिया जाता था लेकिन आज जब हम बोलते हैं तो दुनिया सुनती है। यह मेजर खाथिंग के आदर्शों से प्रेरित है। राजनाथ सिंह ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि मेजर खाथिंग जैसे व्यक्तित्वों से प्राप्त संगठनात्मक कौशल के कारण भारत नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने 2047 तक भारत को विकसित भारत में बदलने के लिए संगठित रहने की आवश्यकता पर बल दिया।

संक्षिप्त समाचार

दुष्कर्म के बाद 11 वर्षीय बच्ची की हत्या करने का आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार, गोली लगने से घायल

बरेली , एजेंसी। बरेली के फरीदपुर में 11 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म व हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी कहीं भागने की फिराक में था। पुलिस ने गौसगंज पुलिया के पास उसे घेर लिया। इस पर आरोपी ने फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए आरोपी को दबोच लिया। उसके पैर में गोली लगी है। घायल को पुलिस अभिरक्षा में जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका उपचार कराया गया।

शाहजहांपुर के पुवायां थाना क्षेत्र के मूल निवासी दंपती फरीदपुर नगर के एक मोहल्ले में रहते हैं। 15 मार्च को पति-पत्नी होली मिलने गए थे। घर पर उनकी 11 वर्षीय बेटी अकेली थी। इसी दौरान उसकी हत्या कर दी गई थी। मोहल्ले के लोगों ने ही बालिका के पिता को कॉल कर इसकी सूचना दी। परिजनों ने बीमारी से मौत मानकर पुलिस को सूचना नहीं दी। एक व्यक्ति ने एक्स पर शिकायत की तो पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की।

शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया, जिसकी रिपोर्ट में सनसनीखेज खुलासा किया। रिपोर्ट के मुताबिक गला दबाकर बच्ची की हत्या की गई थी। मासूम से दुष्कर्म के भी संकेत मिले। इधर, किशोरी के पिता ने सोमवार रात 40 वर्षीय पड़ोसी पर रिपोर्ट करा दी। उन्होंने बताया कि पड़ोसी छत के सहारे अक्सर उनके घर में आ जाता था और उनकी बेटी को खाने-पीने की चीजें देता रहता था। मंगलवार सुबह मुठभेड़ में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

उत्तर पश्चिमी शुष्क हवाओं से गर्म होगा दिन

उन्नाव , एजेंसी। मध्यम गति से चली हवाओं से रविवार देर रात हुई बूंदाबांदी से मौसम में बदलाव दिखा। सुबह लोगों को हल्की ठंड का अहसास हुआ। उधर, मौसम विभाग ने पूर्वानुमान जारी कर दिन में गर्मी तेज होने के संकेत दिए हैं। हालांकि सुबह और शाम गुलाबी ठंड के आसार जताए हैं। रविवार रात आसमान साफ था। देररात करीब दो बजे 5.2 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से मध्यम गति से हवाएं चलने लगीं। इसके बाद बूंदाबांदी हुई। सोमवार सुबह भी हल्के बादल छाए रहने से दिन में धूप का असर कम रहा। इससे अधिकतम तापमान 34 से गिरकर 31.8 और न्यूनतम तापमान 19 से मामूली बढ़कर 19.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के मौसम विभाग की ओर से जारी किए गए पूर्वानुमान में आने वाले दिनों में तापमान में बढ़ोतरी की संभावना जताई गई है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. सुनील पांडेय ने बताया कि मंगलवार से आसमान साफ हो जाएगा। इसके साथ ही उत्तर पश्चिमी शुष्क हवाओं का आना शुरू होगा। इससे दिन में गर्मी बढ़ने की संभावना है लेकिन ठंडी हवाओं के कारण तापमान के गिरने की संभावना है। इससे सुबह, शाम गुलाबी ठंड बनी रहेगी।

नए सत्र में पहले ही दिन बच्चों को मिलेंगी किताबें

ललितपुर , एजेंसी। परिषदीय विद्यालयों के बच्चों को नई किताबों के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा। शैक्षिक सत्र शुरू होने के पहले ही सभी विद्यालयों में किताबें पहुंच जाएंगी। 93 फीसदी किताबें जिले में आ गई हैं। किताबों को ब्लॉक संसाधन केंद्रों पर भेजने की तैयारी चल रही है। 1354 परिषदीय, पूर्व माध्यमिक और कंपोजिट विद्यालयों में 1.71 लाख छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। कुछ वर्ष पूर्व शासन ने कॉन्वेंट विद्यालयों की तर्ज पर परिषदीय विद्यालयों में नया शैक्षिक सत्र जुलाई के बजाय एक अप्रैल से कर दिया था। लेकिन, किताबों की आपूर्ति पूर्व की भांति की जाती रही। इस कारण विद्यालयों में समय से किताबें नहीं पहुंच पाती थीं और बच्चों को पुराने कोर्स से ही पढ़ाई करने को विवश होना पड़ता था। अब शासन ने शैक्षिक सत्र शुरू होने से पूर्व ही विद्यालयों में किताबों की आपूर्ति शुरू करवा दी है। कक्षा चार से आठवीं तक की 1073345 किताबें आने का लक्ष्य है, जिसके मुकाबले अब तक 998170 किताबें जिले में पहुंच गई हैं। शेष 75175 किताबों के जल्द ही पहुंचने की उम्मीद है। जनपद स्तर पर शिक्षा विभाग ने इनका सत्यापन भी करा लिया है। ब्लॉक संसाधन केंद्र से किताबों को विद्यालयों में पहुंचाया जाएगा। इसकी मॉनीटरिंग बीएसए करेंगे।

29 साल बाद लखनऊ-कानपुर रेलखंड पर गंगा पुल की होगी मरम्मत, 42 दिन तक 74 ट्रेनें होंगी प्रभावित

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल प्रशासन 20 मार्च से कानपुर रेलखंड पर स्थित गंगा पुल की मरम्मत शुरू करेगा। यह काम 29 साल बाद किया जा रहा है। वर्ष 1996 में पिछली बार पुल की मरम्मत हुई थी। मरम्मत कार्य के चलते 30 अप्रैल तक ट्रेनों का संचालन प्रभावित होगा।

42 दिनों तक झांसी, हावड़ा, मुंबई, पुणे, गोरखपुर आदि रूटों पर चलने वाली नीलांचल, शताब्दी एक्सप्रेस समेत 74 ट्रेनों का संचालन बाधित रहेगा। उत्तर रेलवे की नौ ट्रेनें निरस्त रहेंगी। मरम्मत कार्य के बाद ट्रेनों को रफ्तार मिल सकेगी।

उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के डीआरएम सचिंद्र मोहन शर्मा ने बताया कि करीब 10 किमी लंबे रेलमार्ग पर कॉशन लगा है। इससे ट्रेनों को धीमी गति से चलाना पड़ता है। मरम्मत के बाद ट्रेनों की रफ्तार बढ़ सकेगी। उन्होंने बताया कि 42 दिनों तक रोजाना नौ घंटे सुबह आठ से शाम पांच बजे तक मेंटेनेंस का काम होगा। इस दौरान उत्तर रेलवे की नौ ट्रेन निरस्त व 17 ट्रेनों को बदले रूट से चलाया जाएगा। पूर्वोत्तर रेलवे की 39 ट्रेनें बदले रास्ते से चलेंगी।

ये ट्रेनें रहेंगी निरस्त

11109 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी लखनऊ इंटरसिटी 19 मार्च से 30 अप्रैल तक, 11110 लखनऊ वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी इंटरसिटी 20 मार्च से एक मई तक, 51813 झांसी लखनऊ, 51814 लखनऊ झांसी पैसेंजर, 55345 लखनऊ कासगंज, 55346 कासगंज लखनऊ पैसेंजर, 64203 लखनऊ कानपुर सेंट्रल मेमू, 64204 कानपुर सेंट्रल लखनऊ मेमू 20 मार्च से पहली मई तक निरस्त रहेंगी। 09465 अहमदाबाद दरभंगा स्पेशल, 09466 दरभंगा अहमदाबाद, 05305 छपरा आनंदविहार, 05306 आनंदविहार छपरा स्पेशल 30 अप्रैल तक अलग-अलग तारीखों पर निरस्त रहेंगी।

लखनऊ-मुरादाबाद के रास्ते चलेंगी ये ट्रेनें

12571 गोरखपुर आनंदविहार, 12595 गोरखपुर आनंदविहार, 22539 मऊ आनंदविहार, 22411 नाहरलागुन आनंदविहार, 22412 आनंदविहार नाहरलागुन, 12003 शताब्दी एक्सप्रेस, 15025 मऊ आनंदविहार, 15026 आनंदविहार मऊ, 15557 दरभंगा आनंदविहार, 15705 कटिहार दिल्ली लखनऊ से मुरादाबाद के रास्ते चलेंगी। ट्रेनें कानपुर, टुंडला व अलीगढ़ स्टेशन पर नहीं रुकेंगी। 20921 बांद्रा लखनऊ, 20922 लखनऊ बांद्रा, 19670 पाटलिपुत्र उदयपुर, 19669 उदयपुर पाटलिपुत्र, 12179 लखनऊ आगरा फोर्ट, 12180 आगरा फोर्ट लखनऊ बदले रूट लखनऊ शाहजहांपुर कासगंज के रास्ते चलाई जाएंगी। 19410 गोरखपुर साबरमती, 22922 गोरखपुर बांद्रा, 22921 बांद्रा गोरखपुर, 02563 बरौनी नई दिल्ली, 02569 दरभंगा नई दिल्ली, 02564 नई दिल्ली बरौनी, 02570 नई दिल्ली दरभंगा बुढ़वल, सीतापुर, शाहजहांपुर, कासगंज के रास्ते चलाई जाएंगी।

बदले रूट से चलेंगी ये ट्रेनें

12511 गोरखपुर तिरुवनंतपुरम, 12521 बरौनी एर्नाकुलम, 12589 गोरखपुर सिकंदराबाद, 12591 गोरखपुर यशवंतपुर, 15023 गोरखपुर यशवंतपुर, 15065 गोरखपुर पनवेल, 15067 गोरखपुर बांद्रा, 20104 गोरखपुर एलटीटी, 22533 गोरखपुर यशवंतपुर, 15269 मुजफ्फरपुर साबरमती, 22531 छपरा मथुरा, 11124 बरौनी ग्वालियर, 11080 गोरखपुर एलटीटी, 12597 गोरखपुर मुंबई, 14101 प्रयागराज कानपुर, 14217 ऊंचाहार एक्सप्रेस, 14218 ऊंचाहार एक्सप्रेस, 12144 सुलतानपुर एलटीटी, 12174 प्रतापगढ़ एलटीटी, 13167, कोलकाता आगरा, 12875 पुरी आनंदविहार नीलांचल, 19054 मुजफ्फरपुर सूरत, 15045 गोरखपुर ओखा, 22445 कानपुर सेंट्रल अमृतसर, 22446 अमृतसर कानपुर, 12470 जम्मूतवी कानपुर, 12469 कानपुर जम्मूतवी ट्रेनें लखनऊ नहीं आएंगी। ये परिवर्तित मार्ग से चलाई जाएंगी।

सीनियर डीसीएम ने आगे बताया कि 12104 लखनऊ पुणे सुपरफास्ट चारबाग से, 16094 मास एक्सप्रेस लखनऊ जंक्शन से आधे-आधे घंटे की देरी से चलाई जाएंगी। 12535 लखनऊ रायपुर गरीबरथ 120 मिनट, 64211 लखनऊ कानपुर मेमू डेढ़ घंटे, 07076 गोरखपुर हैदराबाद 150 मिनट व 05053 गोरखपुर बांद्रा स्पेशल दो घंटे की देरी से संचालित की जाएंगी।

ये ट्रेनें नहीं आएंगी लखनऊ

11407 पुणे लखनऊ एक्सप्रेस 18, 25 मार्च, एक, आठ, 15, 22 अप्रैल को कानपुर स्टेशन तक चलेगी। 11408 लखनऊ पुणे वापसी में 20, 27 मार्च, तीन, 10, 17, 24 अप्रैल को कानपुर से ही चलेगी। 22121 एलटीटी लखनऊ सुपरफास्ट 22, 29 मार्च, पांच, 12, 19, 26 अप्रैल व 22122 लखनऊ एलटीटी 23, 30 मार्च, छह, 13, 20, 27 अप्रैल को कानपुर तक ही संचालित होगी। ये ट्रेनें लखनऊ नहीं आएंगी। 15083 छपरा फर्रुखाबाद व 15084 फर्रुखाबाद छपरा एक्सप्रेस 19 मार्च से 30 अप्रैल तक गोमतीनगर स्टेशन तक ही चलाई जाएगी।

पिछले साल 25 दिसंबर से बंद है उड़ान, जुलाई तक भी नहीं हो सकेगी शुरू

अलीगढ़ एजेंसी। अलीगढ़ एयरपोर्ट से संचालित होने वाली एक मात्र उड़ान अब जुलाई तक संचालित नहीं हो सकेगी। लखनऊ में एयरपोर्ट रनवे पर कारपेटिंग का काम हो रहा है। जिसके चलते उड़ान रोकी गई है। यहां से लखनऊ के लिए सप्ताह में दो उड़ान संचालित होती हैं।

25 दिसंबर 2024 को कोहरे का हवाला देकर उड़ान बंद की गई थी। उस समय घोषणा की गई थी कि फरवरी 2025 में उड़ान शुरू हो जाएगी। उड़ान संचालित करने वाली कंपनी के विशाल गर्ग कहते हैं कि नुकसान से बचने के लिए हमने अपने एयरक्राफ्ट भोपाल-खजुराहो रूट पर भेज दिए हैं। जब सर्दियों का मौसम समाप्त हुआ तो लखनऊ में रनवे पर काम शुरू हो गया। इसी के चलते उड़ान में देरी हो रही है। अलीगढ़ एयरपोर्ट पर संचालित होने वाले चौथे फ्लाइंग क्लब रेड बर्ड के एयरक्राफ्ट के लिए हैंगर बनाए जाने का काम तीन दिन बाद शुरू होगा। इसके लिए सभी तैयारियां कर ली गई हैं। एयरपोर्ट पर अभी तीन फ्लाइंग क्लब संचालित हो रहे हैं। रेड बर्ड चौथा फ्लाइंग क्लब होगा जो यहां पर प्रशिक्षण उड़ान के साथ एविएशन सेक्टर के अन्य कोर्स शुरू करेगा।

संभल में सालार मसूद गाजी की याद में लगने वाले मेले पर रोक

करीब एक हजार साल से लग रहा नेजा मेला

मुरादाबाद , एजेंसी। यूपी के संभल में पुलिस ने नेजा मेला लगाए जाने की अनुमति देने से इन्कार कर दिया है। कहा है कि जिस सय्यद सालार मसूद गाजी की याद में यह आयोजन किया जाता है वह मोहम्मद गजनवी का सेनापति था। इतिहास में इस बात का जिक्र है कि सालार मसूद ने लूटपाट और हत्याएं की थीं।

लुटेरे और हत्यारे की याद में मेला लगाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। अगर इसके बाद भी किसी ने मेला लगाने की कोशिश की तो उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा। संभल के चमन सराय में धार्मिक नगर नेजा कमेटी की ओर से सय्यद सालार मसूद गाजी की याद में नेजा मेला लगाया जाता है।

इस बार नेजा मेला 25, 26 और 27 मार्च को अलग-अलग स्थानों पर लगना था। मंगलवार को ढाल लगाई जानी थी। नेजा मेला से एक सप्ताह पहले ढाल और झंडा घंटाघर पर लगाया जाता है। नेजा मेला कमेटी ने सोमवार को इसकी घोषणा की तो एएसपी श्रीश्चंद ने कमेटी के पदाधिकारियों को कोतवाली बुला लिया।

एएसपी ने कहा कि महमूद गजनवी ने सोमनाथ मंदिर लूटा था। उसका सेनापति सय्यद सालार मसूद गाजी था। मेले को लेकर दूसरे समुदाय के लोगों ने आपत्ति दर्ज कराई है।

कानून-व्यवस्था बिगड़ने का भी खतरा है, लिहाजा नेजा मेला नहीं लगने दिया जाएगा और न ढाल लगाई जाएगी। उन्होंने कहा कि अज्ञानता में यह मेला लगाया जाता रहा है तो अज्ञानी हो और यदि जानबूझकर यह मेला लगाया गया है तो देशद्रोही हो।

करीब एक हजार साल से लग रहा नेजा मेला

करीब एक हजार वर्ष से आयोजित होने वाले संभल के नेजा मेले का आयोजन इस बार नहीं होगा। पुलिस की ओर से कानून व्यवस्था न बिगड़े इसको देखते हुए अनुमति देने से इन्कार कर दिया है। यह दावा है धार्मिक नगर नेजा कमेटी के अध्यक्ष शाहिद हुसैन मसूदी का। अध्यक्ष शाहिद हुसैन मसूदी का दावा है कि करीब एक हजार वर्ष से नेजे की ढाल लगाने और नेजा मेला करने की परंपरा चली आ रही है। अध्यक्ष ने बताया कि नेजा मेला सैयद सालार मसूद गाजी की याद में लगता चला आ रहा है। हालांकि दूसरे समुदाय के द्वारा इसका विरोध कई वर्षों से लगातार किया जाता रहा है। एएसपी ने भी नेजा मेला कमेटी से स्पष्ट कहा है कि जिसने लूट की और हत्याएं की। उसकी याद में कोई भी आयोजन नहीं होने दिया जाएगा। इस मेले के आयोजन के पीछे की वजह बताते हुए बताया कि संभल वर्ष 1015 के आसपास पृथ्वीराज चौहान की राजधानी थी। कहा जाता है कि वर्ष 1030 के आसपास पृथ्वीराज चौहान के बेटे की नजर संभल के शेख पचासे मियां की बेटी पर पड़ गई थी। शेख पचासे मियां की बेटी शादी करना नहीं चाहती थीं इसलिए उन्होंने सैयद सालार मसूद गाजी को इसकी सूचना भेजी थी। वह अपनी सेना के साथ संभल आए थे और पृथ्वीराज चौहान के साथ युद्ध किया था। जिसमें पृथ्वीराज चौहान की पराजय हो गई थी। कमेटी अध्यक्ष ने बताया कि इस युद्ध में सैयद सालार मसूद गाजी के साथियों ने भी जान गंवाई थी। उनकी मजार संभल के आसपास बनाई गई हैं। उन्हीं मजार के आसपास मेले आयोजित किए जाते हैं।

इन मजारों पर लगते हैं नेजा मेला

संभल, शहबाजपुरा सूरा नगला और बादल गुंबद पर एक-एक दिन का मेला लगता है। पहले दिन शाहबाजपुर सूरा नगला में हजरत भोले शाह भोले के मजार पर नेजा मेले का आयोजन किया जाता है। अगले दिन नगर पालिका परिसर में हजरत अहमद शाह के मजार पर नेजा मेला लगता है। तीसरे दिन हसनपुर रोड स्थित बादल गुंबद पर मेला आयोजित होता है। इन तीनों ही स्थानों पर चादरपोशी कर दुआएं मांगी जाती हैं।

एक्सप्रेसवे पर स्लीपर बस का टायर फटा, अनियंत्रित होकर खंती में गई

गंजमुरादाबाद , एजेंसी। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर टायर फटने से स्लीपर बस अनियंत्रित होकर 30 फीट गहरी खंती में पलट गई। यात्रियों में चीख पुकार मच गई। 12 यात्रियों को चोटें आईं, इनमें 10 मामूली घायल हैं। दो का सीएचसी में इलाज हुआ।

राजस्थान से कुसुम ट्रेवल्स की स्लीपर बस रविवार को 102 सवारियों को लेकर दरभंगा (बिहार) के लिए निकली थी। बस में चालक भरतपुर निवासी राहुल और जयपुर के बृजेंद्र थे। बस राहुल चला रहे थे। उन्होंने बताया कि रविवार दोपहर वह बस लेकर निकले थे। बस की छत पर सामान लदा था। रात करीब एक बजे एक्सप्रेसवे पर बांगरमऊ के नसिरापुर गांव के सामने बस के आगे का दाहिना टायर फट गया। इससे बस अनियंत्रित हुई और सुरक्षा जाली तोड़ते हुए दूसरी लेन पर जाकर 30 फीट गहरी खंती में पलट गई।

घटना की सूचना पर यूपीडा और पुलिस ने रेस्क्यू अभियान चलाया। खिड़की और आगे का शीशा तोड़कर 45 मिनट में यात्रियों को बस से बाहर निकाला। बिहार के थाना बेनीपट्टी के बेतनवा गांव निवासी जगदीश महतो (55), थाना मध्यपुरा के गांव छत्तरसरांय निवासी मनीष कुमार (35) को एंबुलेंस के सीएचसी में भर्ती कराया गया। वहीं, सवारियों में सर्वेश कुमार (32), सरोज कुमार (45), नवीनचंद्र (36), दयाराम (65), हृदयवीर (39) और हरीशदीन को मामूली चोटें आईं। यूपीडा की एंबुलेंस में इनका इलाज हुआ। तीन हाइड्रा लगाने के बाद भी बस खंती से नहीं निकाली जा सकी। इसके बाद बस से सामान को हटाया गया, तब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद निकाला गया। यात्रियों को 12 घंटे भूखे-प्यासे रहना पड़ा। सोमवार दोपहर 12 बजे दूसरी बस से यात्रियों को दरभंगा के लिए रवाना किया गया। कोतवाल अवनीश सिंह ने बताया कि टायर फटने से बस अनियंत्रित होकर खंती में पलटी थी।

पत्नी की हत्या: बेटे सुन न सकें मां की चीखें... इसलिए पति ने ऐसे किया घरवाली का कत्ल

आगरा , एजेंसी। आगरा के कालिंदी विहार में सोमवार की शाम घर में कहासुनी होने पर पति ने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। दूसरे कमरे में मौजूद बेटे माता-पिता के बीच रोजाना का झगड़ा समझकर नहीं आए। बाद में उन्होंने मां को बेहोश पड़ा देखा। अस्पताल ले गए, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उधर, हत्या के बाद पति थाने पहुंच गया। मायके पक्ष ने अवैध संबंध के विरोध पर हत्या का आरोप लगाया है। सैपऊ, हाथरस निवासी गुंजन की शादी 20 साल पहले कालिंदी विहार निवासी संदीप के साथ हुई थी। वह मूलरूप से खंदौली के नंदलालपुर का है। संदीप की टेढ़ी बगिया पर कॉस्मेटिक की दुकान है। दो बेटे 18 साल का गगन और 12 साल का अभिनव हैं। परिजनों ने पुलिस को बताया कि संदीप पर कर्ज हो गया था। काम ठीक नहीं चलने के कारण कर्ज नहीं चुका सका। इस पर मकान बेचना पड़ा। बाद में वह कॉलोनी में ही किराये पर रहने लगा। थाना ट्रांस यमुना के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पति-पत्नी के बीच मामूली बात पर झगड़ा हुआ करता था। उनके झगड़े से बच्चे भी परेशान थे। सोमवार को संदीप काम पर नहीं गया। शाम तकरीबन चार बजे दोनों के बीच झगड़ा होने लगा। मारपीट भी हुई। दूसरे कमरे में दोनों बेटे पढ़ाई कर रहे थे। उन्होंने रोजाना का झगड़ा समझकर दरवाजा बंद कर लिया। बाद में संदीप घर से निकला। थाना ट्रांस यमुना पर पहुंच गया और वारदात की जानकारी दी।

चकबंदी कराने के लिए कर्मचारी ने ग्रामीणों के कर दिए फर्जी हस्ताक्षर

सफीपुर , एजेंसी। संपूर्ण तहसील समाधान दिवस में चकबंदी कर्मचारी की हरकत सुनकर डीएम भी चौंक गए। ग्रामीणों ने बताया कि चकबंदी कराने के पक्ष में विभागीय कर्मचारी ने उनके फर्जी हस्ताक्षर कर लिए। डीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी से पूरे मामले की रिपोर्ट तलब की।

देवगांव निवासी दुलीचंद्र व संजय ने डीएम गौरांग राठी को शिकायती पत्र दिया। बताया कि वह लोग काम धंधे के सिलसिले में गांव के बाहर रहते हैं। इसके बाद भी गांव में चकबंदी कराने के लिए एक विभागीय कर्मचारी ने उन लोगों के फर्जी हस्ताक्षर कर लिए। जबकि वह लोग चकबंदी के पक्ष में नहीं हैं। डीएम ने जांच कर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। गांव जमरुद्दीनपुर निवासी पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि प्रधान व लेखपाल ने साठगांठ कर बिना किसी को सूचना दिए खलिहान की भूमि पर राशन दुकान का निर्माण शुरू करा दिया, जबकि इसकी स्वीकृति तक नहीं ली गई। सकहन मुसलमानान निवासी अनीस अहमद ने बताया कि फर्जी अभिलेख पर नगर पंचायत में नौकरी करने वाले सफाई नायक के विरुद्ध धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज है। इसके बावजूद कार्रवाई नहीं हो रही है। नैनीखेड़ा निवासी वृद्धा जगरानी ने कहा कि पति की 25 वर्ष पूर्व मौत हो गई थी। उसके बेटे उसे न खाना देते हैं और न ही इलाज कराते हैं। बहू मारती है। अब घर से भी निकालने की धमकी देती है।

कांटा गुलजारपुर निवासी तपेश्वरी देवी ने चकबंदी कर्मचारियों पर आरोप लगाया कि उनकी पेसारी गांव में भूमि है। चकबंदी से पूर्व वह खेती करती थी। चकबंदी के बाद उन्हें कब्जा ही नहीं दिया गया। इस दौरान कुल 75 शिकायती पत्र पहुंचे, जिनमें से दो का मौके पर निस्तारण किया गया। यहां पर डीएम ने शिक्षा विभाग की ओर से लगाए गए स्टाल पर छात्राओं की पेंटिंग देख बच्चियों का उत्साह बढ़ाया।

बाल विकास विभाग की स्टाल पर भी गुझिया का स्वाद चखा। वहीं, डीएम ने समाधान दिवस में आने वाले फरियादियों के लिए निशुल्क पत्र लिखने का काउंटर लगवाया। तहसील में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पांच कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर एसपी दीपक भूकर, एसडीएम नवीन चंद्र, सीओ मायाराय, जिला प्रोबेशन अधिकारी क्षमानाथ राय, जिला कृषि अधिकारी शशांक चौधरी आदि मौजूद रहे।

निस्तारण के लिए इंतजार: पुरवा। एसडीएम उदित नारायण सेंगर, सीओ अजय कुमार सिंह व तहसीलदार साक्षी राय के पास 12 शिकायतें आईं। मौके पर तीन मामलों का निस्तारण किया गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई संपन्न

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतमबुद्ध नगर : मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा जारी किए गए निदेर्शों के अनुपालन में आज जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को अवगत कराया कि वर्तमान में जनपद में अवस्थित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 61 नोएडा 62 दादरी एवं 63 जेवर में कुल 1868 मतदेय स्थल है। उन्होंने कहा कि समस्त राजनीतिक दल प्रत्येक मतदाता स्थल पर नियुक्त किए गए बूथ लेवल एजेंट की सूची संबंधित निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/उप जिलाधिकारी कार्यालय एवं जिला निर्वाचन कार्यालय में उपलब्ध करा दें।उन्होंने कहा कि नियुक्त करने से पुनरीक्षण संबंधी प्रक्रिया में पारदर्शिता आती है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों से कहा कि उनके बीएलए बूथ पर नियुक्त बीएलओ से समन्वय स्थापित कर पात्र व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची में पंजीकृत कराने, मतदाता सूची में पंजीकृत मृतक, शिफ्टेड एवं डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम विलोपित करने में सहयोग करें, ताकि मतदाता सूची त्रुटिरहित तैयार हो सके। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान आलेख्य प्रकाशन एवं अंतिम प्रकाशन के समय समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/राज्यीय राजनीतिक दालों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची की हार्ड कॉपी एवं फोटो रहित सॉफ्ट कॉपी उपलब्ध कराई जाती है तथा विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अवधि के दौरान निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा प्राप्त फॉर्म 6, 7 व 8 के निस्तारण के बाद ई0आर0ओ0 नेट से जनरेट फॉर्म 9, 10, 11ए व 11बी प्रत्येक सप्ताह उपलब्ध कराए जाते हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि माननीय आयोग द्वारा मतदाताओं के रूप में पंजीकृत होने के लिए वर्ष में कुल 04 अहर्ता तिथियां 01 जनवरी, 01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर निर्धारित की गयी है। उक्त अर्हता तिथियों में कोई व्यक्ति/नागरिक 18 वर्ष पूरी कर रहा हूं अथवा करने वाला हो, तो वह आवेदन कर सकता है, अर्हता तिथि के आधार पर उसे नागरिक को मतदाता के रूप में पंजीकृत किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदाता मतदाता सूची में अपना नाम अर्हता तिथि 01 जनवरी 2025 के आधार पर अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची मतदेय स्थलों पर नियुक्त बीएलओ, संबंधित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/उप जिलाधिकारी कार्यालय एवं जिला निर्वाचन कार्यालय में उपलब्ध वेबसाइट https://ceouttarpradesh.nic.in पर voter service में search name electoral roll बटन पर क्लिक करके या भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट https://voters.eci.gov.in पर search your name electoral roll बटन पर क्लिक करके अपना नाम मतदाता सूची में देख सकते हैं। उन्होंने बताया कि मतदाता अपने मोबाइल पर वोटर हेल्पलाइन ऐप डाउनलोड करके भी उपरोक्त सभी सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही बताया कि फार्म 8 के माध्यम से मतदाता स्थानांतरण (विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंदर एवं बाहर), प्रविष्टियों में सुधार, डुप्लीकेट मतदाता पहचान पत्र जारी करने हेतु, दिव्यांग मतदाता के रूप में चिन्हांकन आदि कार्य किये जा सकते हैं। यदि कोई नागरिक पूर्व में मतदाता के रूप में पंजीकृत है और वर्तमान में वह अन्य स्थान पर मतदाता के रूप में पंजीकृत होना चाहता है तो उसको फॉर्म 8 भरना चाहिए। फार्म 6 नहीं भरना चाहिए। बैठक के उपरांत जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ईवीएम वेयरहाउस का भी स्थलीय निरीक्षण किया। इस महत्वपूर्ण बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

वाईएसएस फाउंडेशन ने विनोद सिंह रावल को बनाया नौकायन खेल का अध्यक्ष

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। पर्यावरण और स्लम्स के विकास के लिए समर्पित समाजसेवी संस्था वाईएसएस फाउंडेशन की खेल यूनिट युवा भारत शक्ति ने बीएसएफ से रिटायर्ड विनोद सिंह रावल को नौकायन और कयाकिंग शाखा का अध्यक्ष नियुक्त किया है। फाउंडेशन के निर्देशक सचिन गुप्ता ने बताया कि संस्था की ओर से गरीब और वंचित बच्चों को राष्ट्रीय स्तर पर नौकायन खेल का प्रशिक्षण दिलाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि विनोद सिंह रावल का इस क्षेत्र में अपार अनुभव है, और उनके मार्गदर्शन में कई युवा खिलाड़ी अपने सपनों को साकार कर सकेंगे।विनोद सिंह रावल, जो पिछले 25 वर्षों से बीएसएफ के वाटर स्पोर्ट्स विंग में कोच के रुप में सेवाएं दे चुके हैं, ने 50 से अधिक खिलाड़ियों को प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।अब वे वाईएसएस फाउंडेशन के माध्यम से नौकायन खेल को वंचित तबके के बच्चों तक पहुंचाने और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर तक ले जाने के लिए प्रयासरत रहेंगे। वाईएसएस फाउंडेशन इस पहल के तहत बच्चों के प्रशिक्षण, संसाधनों और प्रतिस्पर्धात्मक अवसरों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। संस्था का उद्देश्य है कि भारत में नौकायन खेल को नए आयाम मिले और अधिक से अधिक युवा इसमें करियर बना कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्र का नाम रोशन कर सकें।

छात्रों के लिए पांच दिवसीय शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ने स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के 30 छात्रों के लिए पांच दिवसीय शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया। एमबीए एलीट (बैच 2023-25) के इन छात्रों ने डॉ. सुभाष कुमार वर्मा के नेतृत्व में मलेशिया यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (MUST) का दौरा किया।वहां पहुंचने पर MUST के वाइस चांसलर डॉ. प्रेम कुमार ने छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया।छात्रों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और व्यवसाय में इसका उपयोग विषय पर एक शैक्षिक सत्र में भाग लिया। इस सत्र में एआई द्वारा बिजनेस में बदलाव, ऑटोमेशन रणनीतियों और नैतिकता पर चर्चा हुई।
मलेशिया यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी(MUST) के शिक्षकों के मार्गदर्शन में NIU के छात्रों ने केस स्टडी, पैनल चर्चा और प्रेजेंटेशन के जरिए विषय को गहराई से समझा।
नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के डीन, डॉ. सुभाष कुमार वर्मा ने कहा कि इस यात्रा के पहले दिन MUST के विशेषज्ञों के साथ ज्ञानवर्धक सत्र हुए। इस साझेदारी का उद्देश्य छात्रों को वैश्विक व्यापार की समझ और नेटवर्किंग के अवसर देना है, जिससे वे भविष्य के डिजिटल युग के कुशल लीडर बन सकें।
यह यात्रा नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी की एक अनोखी पहल थी, जिसका उद्देश्य छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव प्राप्त करने, सीखने और अपने करियर को नए अवसरों से जोड़ने में मदद करना था।

नोएडा पब्लिक लाइब्रेरी में साइबर सुरक्षा जागरुकता सत्र आयोजित

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। नोएडा पब्लिक लाइब्रेरी में रीडिंग रुम के छात्रों के लिए एक विशेष साइबर सुरक्षा जागरुकता सत्र आयोजित किया गया।इस सत्र में डीआईजी राम बदन सिंह जी, डीसीपी प्रीति यादव और इंस्पेक्टर समर पाल सिंह ने छात्रों को साइबर अपराध, ऑनलाइन सुरक्षा और डिजिटल सावधानियों के बारे में जागरूक किया।सत्र के दौरान विशेषज्ञों ने ऑनलाइन फ्रॉड, फिशिंग अटैक, मजबूत पासवर्ड के महत्व, सोशल मीडिया सुरक्षा, उन्होंने विभिन्न हेल्पलाइन नंबर, मोबी आर्मर, टफकॉप, एम आर्मर के उपयोग और साइबर क्राइम रिपोर्टिंग जैसे अहम विषयों पर जानकारी दी।डीआईजी राम बदन ने बताया कि साइबर अपराध के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे सतर्क रहना जरुरी है।डीसीपी प्रीति यादव ने छात्रों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने की अपील की, जबकि इंस्पेक्टर समर पाल सिंह ने साइबर अपराध से जुड़ी कानूनी जानकारी साझा की।सत्र के अंत में छात्रों ने अपने सवाल पूछे, जिनका अधिकारियों ने विस्तार से उत्तर दिया।इस अभियान का उद्देश्य छात्रों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना और उन्हें सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार की सीख देना था।इस मौके पर महेश सक्सैना,सुभाष सिंघल, कुशाग्र अवस्थी,गिरजा सिंह, लीका सक्सेना,मुकुल बाजपेयी और अन्य स्टाफ उपस्थित थे।

जीपीए का नि:शुल्क बुक एक्सचेंज मेला, अभिभावकों को मिलेगी महंगी किताबों से राहत और सरकारी योजनाओं का लाभ

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गाजियाबाद : जीपीए द्वारा अभिभावकों को निजी स्कूलों की महंगी किताबों से राहत दिलाने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जाने वाला निःशुल्क बुक एक्सचेंज मेला इस बार और भी खास होगा। जहां माता-पिता अपने बच्चों की पुरानी किताबें, कॉपियां और ड्रेस एक-दूसरे से एक्सचेंज कर सकेंगे, वहीं पहली बार इस मेले में सरकारी जनकल्याण योजनाओं की जानकारी और तत्काल पंजीकरण की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन के विशेष अनुरोध पर मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल के माध्यम से सरकार की विभिन्न योजनाओं से लोगों को जोड़ने के लिए एक विशेष कैंप लगाया जाएगा, जहां लाभार्थी योजनाओं की जानकारी लेकर मौके पर ही अपना पंजीकरण करा सकेंगे। यह मेला पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि निजी स्कूलों द्वारा हर साल नई किताबें खरीदने की अनिवार्यता के चलते लाखों पेड़ काटे जाते हैं। बुक एक्सचेंज मेले के जरिए इन किताबों का पुनः उपयोग होगा, जिससे पेड़ों की कटाई रोकी जा सकेगी। इस बार प्रतियोगी परीक्षाओं की किताबें भी दान करने की अपील की गई है, ताकि जरूरतमंद छात्रों को मदद मिल सके। बुक एक्सचेंज मेले का पहला चरण 22 और 23 मार्च को शास्त्रीनगर के लाल बहादुर शास्त्री हॉकी स्टेडियम में होगा, जबकि दूसरा चरण 30 मार्च को यॉर्क ग्राउंड, कड़कड़ मोड़, राधा कुंज, डेल्टा कॉलोनी में आयोजित किया जाएगा। आगे की योजना परिस्थितियों के आधार पर तय की जाएगी। जीपीए ने जिले के सभी अभिभावकों से इस अनूठे निःशुल्क बुक एक्सचेंज मेले में शामिल होकर किताबों के आदान-प्रदान और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने किया मथुरापुर के नवनिर्मित विद्यालय भवन का लोकार्पण

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतमबुद्धनगर : जनपद के दादरी स्थित प्राथमिक विद्यालय मथुरापुर के नवनिर्मित विद्यालय भवन का लोकार्पण बुधवार को बेसिक शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने किया। यह भवन होंडा इंडिया पावर प्रोडक्ट्स लिमिटेड की कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) पहल के तहत निर्मित किया गया है। इस अवसर पर सांसद महेश शर्मा, विधायक तेजपाल नागर, विधान परिषद सदस्य श्रीचंद शर्मा, जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, होंडा इंडिया पावर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के सीएमडी और सीईओ शिगेकी इवामा सहित कई अन्य अधिकारी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मंत्री संदीप सिंह ने विद्यालय भवन का लोकार्पण करने के बाद छात्रों द्वारा तैयार किए गए शिक्षण सामग्री (टीएलएम) की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और बच्चों से संवाद कर उनकी प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने होंडा इंडिया और बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ विद्यालय भवन का भ्रमण कर कक्षाओं में उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। विद्यालय प्रधानाध्यापक गजन भाटी ने भवन की विशेषताओं के बारे में जानकारी देते हुए होंडा कंपनी को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। यह नया विद्यालय भवन कई अनूठी विशेषताओं से युक्त है, जिसमें राज्य का सबसे बड़ा वर्षा जल संचयन संयंत्र स्थापित किया गया है, जिसकी क्षमता प्रतिदिन 40,000 लीटर भूजल रिचार्ज करने की है। इसके अलावा, प्रत्येक कक्षा में स्मार्ट बोर्ड की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। भवन निर्माण के दौरान पेड़ों की कटाई नहीं की गई, जिससे पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया है। इसके अलावा, दिव्यांग छात्रों के लिए व्हीलचेयर अनुकूल रैंप और रेलिंग भी बनाई गई हैं, जिससे विद्यालय समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देगा। विद्यालय भ्रमण के बाद दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें सरस्वती वंदना, स्वागत गीत और सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर आधारित नृत्य नाटिका शामिल रही। मुख्य अतिथि संदीप सिंह और अन्य अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ भेंट कर किया गया। अपने संबोधन में मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि नवनिर्मित विद्यालय भवन सरकार की 'ऑपरेशन कायाकल्प' योजना के तहत विद्यालयों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा एक पवित्र कार्य है और इसके लिए उत्तम वातावरण और सुविधाओं से युक्त विद्यालय भवन आवश्यक हैं। उन्होंने शिक्षकों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक ही समाज के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। कार्यक्रम के समापन पर उप शिक्षा निदेशक/प्राचार्य डायट राज सिंह यादव ने जिले की शिक्षा संबंधी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और भविष्य में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया। होंडा इंडिया फाउंडेशन की इस पहल के तहत मथुरापुर में तैयार किया गया यह विद्यालय भवन न केवल शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा बल्कि क्षेत्र में साक्षरता दर बढ़ाने में भी सहायक होगा। पहले से ही इस विद्यालय में 90 से अधिक छात्र नामांकित थे, जबकि नए भवन के शुरू होने के साथ 60 और छात्रों का प्रवेश लिया जाएगा, जिससे कुल छात्र संख्या 150 तक पहुंच जाएगी। इस अवसर पर एसआरजी रश्मि त्रिपाठी ने सफलतापूर्वक कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में जिला समन्वयक निर्माण अविनाश कुमार, समेकित शिक्षा समन्वयक अरविंद पाठक, मिड डे मील समन्वयक विनय कुमार सिंह, एमआईएस समन्वयक आलोक मिश्रा और संजीव पाठक सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, अधिकारी, ग्रामीण व छात्र उपस्थित रहे।

गौकशी गिरोह के 15-15 हजार के चार इनामी बदमाश गिरफ्तार, पुलिस ने हथियार और कार के साथ दबोचा

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतमबुद्धनगर : ग्रेटर नोएडा की जारचा पुलिस ने बुधवार को बड़ी सफलता हासिल करते हुए गौकशी में संलिप्त एक संगठित गिरोह के चार इनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी और प्रत्येक पर 15-15 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस ने इनके कब्जे से दो तमंचे, दो जिंदा कारतूस और एक वैगनआर कार बरामद की है। एडीसीपी ग्रेटर नोएडा सुमित कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी एक संगठित गिरोह के सदस्य हैं, जो लंबे समय से गौकशी की घटनाओं को अंजाम देकर अवैध रूप से धन अर्जित कर रहे थे। इन बदमाशों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत मामला दर्ज था, और पुलिस को काफी समय से इनकी तलाश थी। लोकल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर थाना जारचा पुलिस ने समाना नहर के पास इनकी घेराबंदी की और चारों आरोपियों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अरमान, निवासी बिजनौर, उवैश, निवासी हापुड़, सुलेमान, निवासी बुलंदशहर और शकील, निवासी बिजनौर के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया कि यह गिरोह सुनियोजित तरीके से गौकशी कर मांस की अवैध आपूर्ति करता था। गिरोह अपने अपराधों को अंजाम देने के लिए अलग-अलग स्थानों पर सक्रिय रहता था और कानून से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदलता था। पुलिस को इनके पास से एक वैगनआर कार भी मिली है, जिसे गिरोह अवैध गतिविधियों में इस्तेमाल करता था। एडीसीपी सुमित कुमार ने बताया कि चारों आरोपियों पर पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब इनके अन्य सहयोगियों और नेटवर्क की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और किसी भी अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सभापति आश्वासन समिति उत्तर प्रदेश विधान सभा डा0 अजय कुमार की अध्यक्षता में प्रथम उप समिति की बैठक हुई संपन्न

फ्यूचर लाइन टाईम्स गौतमबुद्ध नगर : सभापति आश्वासन समिति उत्तर प्रदेश विधान सभा डा0 अजय कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में प्रथम उप समिति के निर्धारित 16 बिंदुओं की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। इस अवसर पर डीएम मनीष कुमार वर्मा ने मा0 सभापति एवं सदस्य गणों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। आयोजित बैठक में सदस्य विधानसभा राजीव गुंबर, मोहम्मद फहीम इरफान, राम खिलाड़ी यादव, केतकी सिंह एवं सदस्य स्टाफ उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने मा0 सभापति को प्रथम उप समिति के निर्धारित 16 बिंदुओं को लेकर की गई प्रगति से अवगत कराया। बैठक में मा0 ने सभापति ने बेसिक शिक्षा, आवास एवं शहरी नियोजन, भूतत्व एवं खनिफर्म, कारागार, खाद्य एवं रसद, माध्यमिक षिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, पर्यावरण, ऊर्जा आदि विभागों की प्रगति के सम्बन्ध जानकारी चाही गयी, जिसके क्रम में जिला अधिकारी द्वारा मा0 सभापति को अवगत कराया कि बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालय में बच्चों को मिड-डे मील का वितरण स्वयं सेवी संगठनों के द्वारा किया जाता है तथा भोजन केन्द्रीकृत किचनों में निर्मित कराया जाता है। परिषदीय विद्यालयों में ग्राम पंचायतों एव नोएडा/ग्रेटर नोएडा/यमुना विकास प्राधिकरण के सहयोग से पेयजल एवं शौचालयों की सुविधा उपलब्ध है तथा सभी विद्यालयों में बिजली कनेक्शन उपलब्ध है। माध्यमिक शिक्षा विभाग में तत्समय के विनियमों एवं नियमों के अधीन विद्यालयों को मान्यता प्रदान की गई है, ऐसे किसी भी विद्यालय को मान्यता प्रदान नहीं की गई है, जो नियमों के अनुरूप न हो। जिलाधिकारी ने बताया कि आवास एवं शहरी नियोजन विभाग द्वारा मान्यवर कांशीराम योजना के अंतर्गत नोएडा विकास प्राधिकरण द्वारा सेक्टर 45 में 500 आवासों तथा ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण द्वारा सेक्टर जू 500 व सेक्टर पाई में 5 में 500 आवासों का निर्माण पूर्व में ही पूर्ण कराया जा चुका है तथा सभी आवासों का नियम अनुसार पूर्व में ही आवंटन भी किया जा चुका है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदन पत्रों पर गठित समिति के सदस्यों द्वारा जांच कर पत्र एवं अपात्र व्यक्तियों की सूची परियोजना अधिकारी गौतम बुद्ध नगर को उपलब्ध कराई जाती है। भूतत्व एवं खनिफर्म विभाग द्वारा जनपद में विगत 3 वर्षों में अवैध बालू खनन के तीन मामलों में कार्रवाई करते हुए सुसंगत धाराओं में 15 व्यक्तियों के विरुद्ध थाना नॉलेज पार्क में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। इसी प्रकार 08 व्यक्तियों के विरुद्ध थाना सेक्टर 126 में एवं पांच व्यक्तियों के विरुद्ध थाना ईकोटेक प्रथम में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। जिला कारागार गौतम बुद्ध नगर की स्वीकृत बैरकों में निरूद्ध बंदी क्षमता 3566 है तथा वर्तमान में जिसके साथ लगभग 2900 बंदी निरूद्ध है। उन्होंने खाद एवं रसद विभाग के संबंध में बताया कि जनपद की सभी उचित दर दुकानों पर ई-पॉस मशीन स्थापित है। आधार प्रमाणीकरण उपरांत खाद्यान्न का वितरण किया जा रहा है। घटतौली रोके जाने हेतु मार्च 2024 से ई-पॉस मशीन को ई-वेइंग मशीन से लिंक कर दिया गया है। सभी दुकानों पर खाद्यान्न की तौलाई-पॉस मशीन लिंक्ड मशीन से की जा रही है। इस प्रकार जनपद में कुल 364 उचित दर विक्रेताओं पर ई-वेइंग मशीन से तौल कराकर पूर्ण मात्रा में खाद्यान्न एवं आवश्यक वस्तुओं का वितरण कराया जा रहा है। जिलाधिकारी द्वारा नगर विकास विभाग के संबंध में अवगत कराया गया कि नगर पालिका दादरी की सीमान्तर्गत सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के अंतर्गत समस्त 25 वार्डों में डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन का कार्य कराया जा रहा है तथा नगर की सीमा में प्रतिदिन उत्सर्जित होने वाले कूड़े के निस्तारण हेतु 01 एमआरएफ केंद्र संचालित है तथा 02 नए एमआरएफ सेंटर निर्माण अधीन है। पूर्व में एकत्रित लिगेसी वेस्ट के प्रसंस्करण का कार्य सी एंड डीएस नोएडा द्वारा कराया जा रहा है। इसी प्रकार नगर पंचायतों में भी डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन का कार्य कराया जा रहा है।

मोदीनगर में अवैध कॉलोनी पर फिर चला जीडीए महाबली

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गाजियाबाद : जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स के आदेश पर लगातार अवैध कॉलोनीयों को जीडीए टीम ध्वस्त कर रही है। बुधवार को जीडीए टीम ने मोदीनगर में निमार्णाधीन अवैध कॉलोनी को ध्वस्त किया। खास बात यह है कि 10 बीघा क्षेत्रफल में बिना मानचित्र स्वीकृति के कॉलोनी का निर्माण किया जा रहा था। इसी कड़ी में प्रभारी प्रवर्तन जोन-2 के नेतृत्व में अरुण कुमार उर्फ मांगे राम, हिमांशु और अनुज चौधरी द्वारा खसरा सं-592, ग्राम- अबूपुर, मोदीनगर,आईटीआई के बगल में लगभग 10 बीघा क्षेत्रफल में अवैध प्लाटिंग किये जाने हेतु सड़क पर मिट्टी भराई कर खड़ंजा लगाने का कार्य किया जा रहा था। अवैध कॉलोनी में कालोनाईजर द्वारा बनायी जा रही सडक बाउन्ड्रीवॉल, साईट ऑफिस आदि को ध्वस्त किया गया। ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के दौरान कोलोनाईजर व निर्माणकर्ता द्वारा भारी विरोध प्रकट किया गया, लेकिन पुलिस व प्राधिकरण प्रवर्तन दस्ते की प्रभावी कार्यवाही के द्वारा उनको डंडा फटकारते हुए भगा दिया गया।

जलवायु परिवर्तन : गड़बड़ा सकती है आर्थिकी

पंकज चतुर्वेदी

पर्याप्त ठंड न पड़ने, जाड़े मे होने वाली बरसात के न आने और फरवरी में ही गर्मी का असर मध्य भारत के खेतों में रबी की फसल पर कीट के रूप में सामने आ रहा है। विशेष रूप से गेहूं में चंडवा, सरसों, मटर और चना की फसलों में माहू और इल्ली का प्रकोप बढ़ गया है, जिसके कारण इन फसलों में फूल गिरने लगे हैं, और किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन कीटों के कारण आगामी दिनों में चना, मटर और सरसों का उत्पादन 30 प्रतिशत तक घट सकता है।

तमिलनाडु का धरमपुर रेशम के लिए मशहूर है। यहां सालाना लगभग 17 लाख टन रेशम कोकून की पैदावार होती है।

पिछले कुछ हफ्तों में जिले भर में कोहरे और खराब जलवायु परिस्थितियों ने ऐसा डेरा डाला कि कोकून की कीमत में भारी वृद्धि हो गई। फरवरी के दूसरे हफ्ते में इसके दाम 857 प्रति किग्रा. दर्ज किए गए जबकि इस समय औसत कीमत 520 रुपये से अधिक नहीं होती।

आम तौर पर इस समय इलाके का मौसम खुला रहता है लेकिन इस बार गहने कोहरे और पाले से कोकून में नमी आ गई। इसके चलते अच्छी गुणवत्ता वाले रेशम का संकट दिखने लगा और दाम चढ़ गए। बदलते मौसम का असर शहतूत के पेड़ों पर भी देखा गया। विदित हो रेशम के कीड़ों का आहार शहतूत ही होता है। मंडी में आवक काम और दाम ज्यादा होने से बुनकर भी परेशान हैं। धर्मपुरी का रेशम तो एक उदाहरण भर है कि किस तरह समय से पहले गर्मी आने का व्यापक कुप्रभाव समाज पर पड़ रहा है।

प्रवासी पक्षियों का पहले लौटना, सड़क के कुत्ते और अन्य जानवरों के व्यवहार में अचानक उग्रता और रबी की फसल की पौष्टिकता में कमी, कुछ और ऐसे कुप्रभाव हैं, जो जलवायु परिवर्तन के कारण हमारे यहां दिखने लगे हैं। इस साल इतिहास में तीसरा सबसे गर्म जनवरी और फरवरी रहा। जनवरी में देश में बारिश 70% कम रही। पहाड़ी राज्यों में बारिश और बर्फबारी 80% तक कम रही। फरवरी के आखिरी हफ्ते में विदर्भ से ले कर तेलंगाना तक 40 की तरफ दौड़ते तापमान ने लू का अहसास करवा दिया। मार्च के दूसरे हफ्ते में ऐन होली पर बरसात और ओलावृष्टि ने फसल का नुकसान दुगुना कर दिया। उसके बाद फिर गर्मी तेवर दिखा रही है।

मौसम विभाग के मुताबिक अगले तीन हफ्तों में देश के अधिकांश हिस्सों में औसत तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। उत्तराखंड के पवित्र तीर्थस्थल केदारनाथ में इस वर्ष पिछले 10 वर्षों में सबसे कम बर्फबारी दर्ज की गई है। इस बार सर्दियों में यहां सिर्फ दो फीट बर्फबारी हुई है, जो बीते वर्षो के मुकाबले काफी कम है। वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने इस पर चिंता जताई है, क्योंकि इससे न केवल क्षेत्र की पारिस्थितिकी प्रभावित होगी, बल्कि जल स्त्रेतों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

बीते 10 वर्षों में केदारनाथ में बर्फबारी का पैटर्न बदलता दिखा है। जहां 2015 में आठ फीट बर्फ गिरी थी, वहीं 2025 में यह घट कर मात्र दो फीट रह गई है। कम बर्फबारी

और जल्द गर्मी से ग्लेशियर जल्दी पिघलेंगे और गंगा-यमुना जैसी नदियों का जल प्रवाह प्रभावित होगा। केदारनाथ क्षेत्र में पाई जाने वाली दुर्लभ वनस्पतियां और वृक्ष कम बर्फबारी के कारण प्रभावित हो सकते हैं। इससे इस क्षेत्र की पारिस्थितिकी पर नकारात्मक असर पड़ेगा। कम बर्फबारी का मतलब है कि गर्मियों में जल स्त्रेतों में कमी आएगी जिससे पानी की किल्लत हो सकती है।

जलवायु परिवर्तन का असर किस कदर पहाड़ों पर है, इसका उदाहरण इन दिनों धौलछीना के इर्द-गिर्द और बिनसर अभयारण्य के जंगलों में साफ दिख रहा है। पहाड़ में अक्सर फरवरी के दूसरे पखवाड़े से मार्च में खिलने वाला बुरांस का फूल इस बार जनवरी में ही खिल गया था। इससे लोग हैरत में हैं और मौसम चक्र में परिवर्तन को इसकी वजह मानते हैं। जंगलों में कई जगह काफल फरवरी में ही पकने लगा था। आम तौर पर पहाड़ के जंगलों में बुरांस का फूल 15 मार्च के बाद भी खिलता है। इसके बाद ही मार्च के दूसरे पखवाड़े और अप्रैल में काफल पकता है। मगर अब प्रकृति अपना अलग रंग दिखा रही है। हैरान करने वाली बात यह है कि इस बार जनवरी के पहले पखवाड़े से ही धौलछीना के आसपास तथा बिनसर अभयारण्य के जंगलों में बुरांस खिल गया। ठीक इसी तरह से हिमाचल प्रदेश में भी बुरांस और काफल समय से बहुत पहले जनवरी में फल-फूल गए। जलवायु बदलाव का असर असम के धुबरी जिले में अजीब ही तरह से देखा जा रहा है। यहां बहने वाली ब्रह्मपुत्र नदी में अचानक हिल्सा मछलियों की संख्या बढ़ती देखी जा रही है, जो जनवरी-फरवरी के महीनों में अस्वाभाविक है। वास्तव में इसका समय मई, जून, जुलाई और अगस्त होता है। विदित हो कि हिल्सा मछलियां समुद्र के मुहाने से अक्टूबर में ब्रह्मपुत्र नदी में अंडे देने के लिए बंगाल की खाड़ी से आती हैं। हालांकि, मौसम और प्रकृति में अस्वाभाविक परिवर्तन और ब्रह्मपुत्र नदी के धीरे-धीरे सूखने के कारण हिल्सा मछलियां इस साल जनवरी के अंत से नदी में चढ़ने लगी हैं।

पर्याप्त ठंड न पड़ने, जाड़े में होने वाली बरसात के न आने और फरवरी में ही गर्मी का असर मध्य भारत के खेतों में रबी की फसल पर कीट के रूप में सामने आ रहा है। विशेष रूप से गेहूं में चंडवा, सरसों, मटर और चना की फसलों में माहू और इल्ली का प्रकोप बढ़ गया है, जिसके कारण इन फसलों में फूल गिरने लगे हैं, और किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन कीटों के कारण आगामी दिनों में चना, मटर और सरसों का उत्पादन 30 प्रतिशत तक घट सकता है। सब्जी भी गर्मी के प्रकोप से बची नहीं रही। मिर्च, टमाटर, बैंगन, भिंडी जैसी सब्जी फसलों में भी माहू का प्रकोप बढ़ गया है। शाम होते ही अब खेत के करीब की सड़कों से निकलना मुश्किल है क्योंकि वाहनों की रोशनी होते ही माहू कीट के घने झुंड आ जाते हैं। कीट से बचने के लिए यदि किसान कीटनाशक का इस्तेमाल करता है, तो एक तो लागत बढ़ती है, दूसरा, गुणवत्ता भी प्रभावित होती है।

कश्मीर में गर्मी के कारण सेब फल से ले कर केसर तक की खेती बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। वहां जमीन शुष्क है, और तालाब-झरने सूख गए हैं। उधर केरल के लिए चेतावनी है कि आम तौर पर मार्च-अप्रैल में आने वाली हीटवेव जैसी स्थिति इस साल राज्य में पहले ही आ गई। जनवरी के आखिरी सप्ताह में कन्नूर में दिन का तापमान 36.6 डिग्री सेल्सियस और कोट्टायम में 36.5 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा था। आईएमडी ने भी चेतावनी जारी की है कि तापमान में वृद्धि जारी रहेगी जो केरल के जलवायु पैटर्न में चिंताजनक बदलाव को दर्शा रहा है। मौसम के बदलते मिजाज से आम लोगों की रोजी-रोटी के साधन, व्यवहार और स्वास्थ्य, तीनों प्रभावित हो रहे हैं। वैसे तो हर राज्य ने जलवायु परिवर्तन से निबटने की दसवर्षीय कार्य योजनाएं बना रखी हैं, लेकिन फिलहाल उनके असर जमीन पर कहीं नहीं दिख रहे।

(लेख में विचार निजी हैं)

संपादकीय

बट्टे खातों की राजनीति

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने संसद में बताया कि बीते दस सालों में बैंकों ने 16.35 लाख करोड़ रुपये बट्टे खाते में डाले हैं। गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) को बैंक बट्टे खाते में डालते हैं। आंकड़ों के अनुसार 2014-15 में यह रकम लगभग 59 हजार करोड़ थी, जो 2023-24 में 1.70 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई। सदन में बड़े कर्जदारों और औद्योगिक घरानों के लिए बट्टे खातों में डाले गए कर्ज के बारे में प्रश्न पूछे गए थे। वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि बट्टे खाते में डालने से उधारकताओं को देनदारियों में छूट नहीं मिलती। अलबत्ता, यह जरूर कहा कि कर्ज और बट्टे खाते में डाले गए कुल एनपीए का वषर्वार ब्योरा रखा जाता है। यह राशि बट्टे खाते में डाली गई कुल राशि का लगभग 57% है। हालांकि कंपनियों के नाम पर आरबीआई अधिनियम, 1934 की धारा 45ई के तहत उधारकर्ता का खुलासा निषिद्ध है। लेकिन बैंकों की तरफ से देय राशि की वसूली के संबंध में उधारकताओं को लगातार फोन किया जाता है, और पत्र/ईमेल भी भेजे जाते हैं। राशि के आधार पर बैंक कॉरपोरेट उधारकताओं के दीवालियापन समाधान के लिए कंपनी लॉ न्यायाधिकरण से भी संपर्क करता है। समय-समय पर सरकार के पक्षपाती रवैये पर ऋणमाफी को लेकर आरोप भी लगते रहते हैं जबकि इसकी तुलना में 2008 में यूपीए सरकार द्वारा मात्र 60 हजार करोड़ रुपये की कृषि माफी से की जा सकती है। सोलह लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि मोदी सरकार के कार्यकाल में बट्टे खाते में डाली गई, जो साल-दर-साल बढ़ती नजर आ रही है। सिर्फ बैंकों के बही-खातों को दुरुस्त रखने या मोटी राशि बट्टे खातों में छिपाने से अर्थव्यवस्था प्रधानमंत्री के दावों पर खरी नहीं उतर सकती। जैसा कि सीतारमण ने स्वीकारा भी कि ऋण की देनदारी बनी रहती है, मगर सरकार को सख्त नियम लागू करने में देर नहीं करनी चाहिए। असल सवाल है कि इस विशाल धनराशि के बट्टे खाते में डाले जाने का नुकसान किसको उठाना होगा। बैंकों पर ठीकरा फोड़ना मात्र मन-बहलाव है क्योंकि वे तो धन-प्रबंधक भर हैं। उद्योगपतियों की आर्थिक आपराधिक गतिविधियों का खमियाजा अंततः देश को भुगतना पड़ता है। बड़े औद्योगिक घरानों का पक्ष लेने और उनकी ऋणमाफी से सरकार जमाकताओं को ज्यादा देर धोखा नहीं दे सकती। अब बैंकों की कंगाली और उनके साथ आर्थिक धोखाधड़ी की घटनाओं से सीख लेनी जरूरी है।

चिंतन-मनन

कैसे जानेंगे कि आप ताकतवर हैं या कमज़ोर

हमलोगों में एक बड़ी ही अजीब बात है अगर सामने वाला अपने से कमजोर दिखता है तो हम उसकी छोटी सी गलती पर भी भड़क उठते हैं और मार-पीट करने तक के लिए तैयार हो जाते हैं। इसके उलट अगर सामने वाला ताकतवर है तो उसकी बड़ी गलती पर भी खामोश रह जाते हैं। इसकी वजह है हमारी कमजोरी। हम अपनी कमजोरी को छुपाने के लिए ही कमजोर के सामने अपनी ताकत की नुमाईश करते हैं। तकतवर तो वह होता है जो अपनी शक्ति का प्रयोग कमजोर पर नहीं करता है।

इस संदर्भ में एक कथा उल्लेखनीय है। गुरू गोविंद सिंह जी का एक शिष्य था। एक बार वह गुरू जी के पास आकार बोला कि, आज मार्ग में एक दुबले-पतले व्यक्ति ने मेरा अपमान किया। इस पर मैंने उसकी खूब पिटाई की। गुरू जी ने कहा, यह तो तुमने बहुत ही गलत किया। कुछ दिनों बाद वही शिष्य गुरू जी के पास आया और बोला आज एक व्यक्ति ने फिर मेरा अपमान किया, लेकिन मैंने उसे कुछ नहीं कहा।

गुरू जी ने पूछा, वह व्यक्ति कैसा था। शिष्य ने जवाब दिया, काफी हट्टा-कट्ठा और तंदुरूस्त था। गुरू गोविंद सिंह जी ने कहा कि, तुमने बहुत ही गलत किया जो उसे अपमान का उत्तर नहीं दिया। गुरू का उत्तर सुनकर शिष्य बड़ा हैरान हुआ और कहा कि, पिछली बार जब मैंने अपमान करने वाले की पिटाई की तब भी आपने मुझे गलत कहा था और इस बार जब मैंने अपमान का कोई उत्तर नहीं दिया तब भी आप मुझे गलत कह रहे हैं। आखिर मुझे करना क्या चाहिए? गुरू जी ने शिष्य को समझाया, पिछली बार तुमने एक कमजोर व्यक्ति की पिटाई की थी। इस बार तुम्हारा अपमान एक सबल व्यक्ति ने किया था। तकतवर व्यक्ति की पहचान यही है कि, वह कमजोर पर हाथ न उठाए और सबल व्यक्ति के द्वार किये गये अपमान को सहन न करे। इस बार तुमने एक सबल व्यक्ति द्वारा किये गये अपमान को सहन कर लिया है इसलिए मैंने तुम्हें गलत कहा है।

विश्व गौरैया दिवस : गौरैया के अस्तित्व पर गहराता संकट

हर्षवर्धन पाण्डे

विश्व गौरैया दिवस की अवधारणा की कल्पना एक भारतीय पर्यावरणविद् मोहम्मद दिलावर ने की थी। भारत और दुनिया भर में गौरैयों की आबादी में तेजी से गिरावट के बारे में चिंतित दिलावर ने 2005 में नेचर फॉरएवर सोसाइटी की स्थापना की जो घरेलू गौरैया और अन्य सामान्य वनस्पतियों और जीवों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध एक गैर-लाभकारी संगठन है। पहला विश्व गौरैया दिवस 20 मार्च, 2010 को मनाया गया था। गिरती गौरैया की आबादी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्व गौरैया दिवस का बहुत महत्व है। यह दिन पर्यावरण के साथ गौरैयों के परस्पर जुड़ाव, जैव विविधता और पारिस्थितिक संतुलन को बढ़ावा देने पर जोर देता है। यह सामुदायिक जुड़ाव, शैक्षिक कार्यक्रमों और नीति की वकालत के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है,जिसमें गौरैयों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए सामूहिक प्रयासों का आग्रह किया जाता है।

घरेलू गौरैया दुनिया में सबसे व्यापक और सामान्य तौर पर देखा जाने वाला जंगली पक्षी है इसे यूरोपीय लोगों द्वारा दुनिया भर में पहुँचाया गया और अब इसे न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, उत्तरी अमेरिका, भारत और यूरोप सहित दुनिया के दो-तिहाई भूभाग पर देखा जा सकता है यह केवल चीन, इंडो-चीन, जापान एवं साइबेरिया और पूर्वी व उष्णकटिबंधीय अफ्रीका आदि क्षेत्रों में अनुपस्थित है। दुनियाभर में गौरैया की दर्जनों प्रजातियां हैंलेकिन भारत में हाउस स्पैरो, स्पेनिश स्पैरो, सिउ स्पैरो, रसेट स्पैरो, डेट सी स्पैरो व ट्री स्पैरों मिल जाती हैं जिनमें इनमें सबसे अधिक हाउस स्पैरो बहुतायत हैं। गौरैया एक बहुत छोटा पक्षी है जिसका वजन 25 से 40 ग्राम और लंबाई 15 से 18 सेमी होती है जो 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ सकती है।

गौरैया मादाओं की तुलना में अधिक रंगीन होती हैं जिनके पंखों पर काले, सफेद और भूरे रंग के निशान होते हैं। गौरैयाको उनके मधुर गीतों के लिए जाना जाता है, जिनका उपयोग वे साथियों को आकर्षित करने और अपने क्षेत्रों की रक्षा करने के लिए करते हैं। एक गौरैया का औसत जीवनकाल 2 -3 वर्ष है लेकिन कुछ व्यक्ति 5 वर्ष या उससे अधिक तक जीवित रह सकते हैं। गौरैया अपने पूरे जीवन में केवल एक ही साथी के साथ संभोग करती हैं। वे अक्सर साल दर साल एक ही घोंसले के स्थान पर लौटते हैं। घरेलू गौरैया मादा हर साल 4 से 5 अण्डे देती है जिनमें से 12 से 15 दिन बाद बच्चों का जन्म होता है। इनकी एक महत्वपूर्ण क्षमता होती है यह आकाश में उड़ने के साथ-साथ पानी के भीतर तैरने की क्षमता भी रखते हैं। गौरैया झुंडों के रूप में जानी जाने वाले घरों में रहती हैं। गौरैया अपने घोंसले का निर्माण खुद से कर लेती हैं। हाउस स्पैरो मानव आवास के साथ आसानी से जुड़ जाती हैं। नर गौरैया की गर्दन पर काली पटटी व पीठ का रंग तम्बाकू जैसा होता है जबकि मादा की पीठ पर पटटी भूरे रंग की होती है। इनका जीवन सरल घर बनाने की जिम्मेदारी नर की व बच्चों की जिम्मेदारी मादा की होती है।

मौजूदा दौर में गौरैया की आबादी में गिरावट के लिए कई कारकों को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है जिनमें शहरीकरण और निर्माण में कंक्रीट के बढ़ते उपयोग के कारण हरित स्थानों में उल्लेखनीय कमी आई है जिससे गौरैया को उनके प्राकृतिक आवासों से वंचित कर दिया गया है। वायु और जल प्रदूषण गौरैया के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। दूषित जल स्त्रोत और प्रदूषकों से भरी हवा इन पक्षियों में विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन रही है। कृषि और शहरी क्षेत्रों में कीटनाशकों का उपयोग गौरैयों पर हानिकारक प्रभाव डाल रहा है। खेती में मौजूदा दौर में होने वाले रासायनिक उर्वरकों और मोनोकल्चर के उपयोग सहित आधुनिक कृषि पद्धतियाँ गौरैया के लिए खाद्य स्त्रोतों की उपलब्धता को प्रभावित कर दिया है। गौरैया विलुप्त होने का मुख्य कारण शहरीकरण, रासायनिक प्रदूषण और रेडिएशन को माना जा रहा है। मोबाइल फोन, टॉवरों से निकलने वाली रेडियेशन भी बड़े पैमाने पर गौरैया की मृत्यु के कारण बन रहा है। लगातार हो रहे शहरीकरण, पेड़ों के कटान और फसलों में रासायनिक का छिड़काव गौरैया की विलुप्ति का कारण बन रहा है। फसलों में पड़ने वाले कीटनाशक खतरनाक होते हैं। गौरैया न सिर्फ हमारे आसपास की खूबसूरती का हिस्सा है, बल्कि पर्यावरण के संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। ये कीड़े मकोड़ों को खाकर फसलों की रक्षा करती हैं। हम गौरैया के अनुकूल आवास बनाकर गौरैयों के संरक्षण में योगदान कर सकते हैं। इसमें घोंसले स्थापित करना, जल प्रदान करना और देशी पेड़ और झाड़ियाँ लगाने का योगदान दे सकते हैं।

जैविक और टिकाऊ कृषि प्रथाओं को अपनाने और शहरी क्षेत्रों में कीटनाशकों के उपयोग को कम करने से गौरैयों के लिए सुरक्षित वातावरण बनाने में मदद मिल सकती है। गौरैयों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में लोगों को शिक्षित करने और इनका संरक्षण करने के लिए प्रेरित करने के लिए विशेष जागरूकता अभियान जनसमुदाय द्वारा चलाये जाने चाहिए। पर्यावरण संरक्षण, हरित स्थानों और टिकाऊ शहरी

नियोजन को बढ़ावा देने वाली नीतियों की वकालत एक अधिक गौरैया-अनुकूल वातावरण बनाने में योगदान कर सकती है। गौरैया संरक्षण प्रयासों में स्थानीय समुदायों को शामिल करने से एक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा मिलेगा।

गौरैया का पृथ्वी पर प्रकृति का संतुलन बनाए रखने में भी बड़ा योगदान है। बदलते परिवेश में गौरैया अब ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहर तक देखने को नहीं मिल रही है। दुर्भाग्य की बात है कि इनकी तादात धीरे-धीरे कम हो गई है। पिछले 15 सालों में गौरैया की संख्या में 70 से 80 फीसदी तक की कमी आई है इसलिए जरूरी है इसके संरक्षण के लिए हम सभी अपनी छत पर पर्याप्त दाना-पानी रखें। इसके साथ ही अपने घरों के सास पास अधिक से अधिक पेड़ और पौधे लगाएं। कृत्रिम घोंसलों का निर्माण करें जिससे स्वछंद होकर वे विचरण कर सके। आज जब गौरैया के अस्तित्व पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं तब ऐसे में हम सभी की जिम्मेदारी बनती है कि इस नन्हीं सी चिड़िया को बचाने में हम अपना अहम योगदान दें।

प्लेसमेंट और पैकेज की समस्या से जूझते आज के युवा

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

युवाओं के लिए रोजगार के अवसर केवल एक देश की समस्या ना होकर अब वैश्विक समस्या होती जा रही है। रोजगार के लेकर अब तो यह भी बेमानी हो गया है कि आपने कहां से अध्ययन किया है। हालात यह होते जा रहे हैं कि दुनिया के श्रेष्ठतक अध्ययन केन्द्रों के पासआउट युवा भी अच्छे पैकेज के रोजगार के लिए दो चार हो रहे हैं। यह कल्पना या कपोल कल्पित नहीं बल्कि वास्तविकता है कि हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड, शिकागो, कोलंबिया, एमआईटी, पेन्सिलवेनिया, एमआईटी जैसे वैश्विक ख्यातनाम संस्थानों से एमबीए करें युवाओं को पासआउट के तीन माह बाद तक ऑफर नहीं मिलने की संख्या में तेजी से इजाफा होता जा रहा है। ब्लूमबर्ग ने अमेरिका के सात शीर्ष संस्थानों से एमबीए का अध्ययन कर निकले विद्यार्थियों के प्लेसमेंट को लेकर अध्ययन कर रिपोर्ट में तो यही खुलासा किया है। चौकाने वाली बात यह है कि 2021 की तुलना में 2024 में यह प्रतिशत करीब करीब चार गुणा बढ़ गया है। 2021 में केवल 4 प्रतिशत पासआउट छात्र ही ऐसे थे जिन्हें पासआउट के तीन माह बाद तक ऑफर नहीं मिलता था वह संख्या 2024 तक बढ़कर 15 प्रतिशत हो गई है। अमेरिका के शीर्ष सात संस्थनों में कहीं कहीं तो छह गुणा तक की बढ़ोतरी देखी गई है। यह इसलिए भी चिंताजनक है कि जिन संस्थानों के अध्ययन का स्टेण्डर्ड निर्विवाद समूचे विश्व में श्रेष्ठतम रहा है और जिनकी वैश्विक पहचान है उनकी ही यह हालत है तो आम संस्थानों की क्या होगी? यह अकल्पनीय है। हो सकता है कि ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट अतिशयोक्तिपूर्ण हो पर हालात जिस तरह के सामने आ रहे हैं उससे यह साफ हो जाता है कि प्लेसमेंट की समस्या दिन प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है।

सवाल केवल प्लेसमेंट तक ही सीमित नहीं हैं अपितु पैकेज में भी लगातार कमी देखी जा रही है। कुछ चंद युवाओं को अच्छा पैकेज मिल जाना इस बात का प्रमाण नहीं हो सकता कि कंपनियों द्वारा युवाओं को अच्छा पैकेज दिया जा रहा है। दरअसल कोरोना के बाद से प्लेसमेंट और पैकेज को लेकर हालात बहुत हद तक बदल गए हैं। यदि हम भारत की ही बात करें तो देश के शीर्ष प्रबध संस्थानों से पासआउट युवाओं को 2022 में औसत 29 लाख का पैकेज मिल रहा था तो वह 2024 आते आते 27 लाख पर आ गया है। यह सबतो देश दुनिया के शीर्ष अध्ययन संस्थानों से पासआउट युवाओं को लेकर है। सामान्य व मध्यस्तरीय संस्थानों से पासआउट युवाओं को मिलने वाला पैकेज तो बहुत ही कम होता जा रहा है। दूसरी और घर बार छोड़कर 90 घंटे तक काम करने को लेकर बहस चल रही है। एक और पिकोक कल्चर, हाईब्रीड सिस्टम और वर्क फ्राम होम से कार्यस्थल पर युवाओं को लाने की जद्दोजहद जारी है तो दूसरी और कम होते अवसर चिंता का विषय बनते जा रहे हैं।

सरकारें लाख प्रयास करें या विपक्षी बेरोजगारी बढ़ने के लाख आरोप प्रत्यारोप लगाये पर लगता है कि प्लेसमेंट, रोजगार और पैकेज का संकट किसी एक देश का नहीं अपितु वैश्विक समस्या बनती जा रही है। इससे युवाओं में कहीं ना कहीं निराशा भी आती जा रही है। हांलाकि हार्वर्ड, शिकागो आदि के संदर्भ शिक्षा के स्तर को लेकर प्रश्न नहीं उठाया जा सकता पर तस्वीर का दूसरा पक्ष यह भी है कि हार्वर्ड, शिकागो या इस तरह की उच्च गुणवत्ता वाली संस्थाओं में अध्ययन करने वाले कितने युवा होते हैं तो दूसरी और कितने लोगों के लिए इन संस्थाओं के अध्ययन का खर्च उठाने की क्षमता होती है। जब इस तरह की उच्च गुणवत्ता वाली संस्थाओं से अध्ययन प्राप्त कर निकले युवाओं के सामने ही प्लेसमेंट या पैकेज का संकट आ रहा है तो अन्य संस्थानों से अध्ययन प्राप्त युवाओं की स्थिति क्या होगी यह अपने आपमें सोचनीय हो जाती है।

जहां तक हमारे देश की बात की जाए तो यह साफ हो जाता है कि हमारे यहां एक तरह से अंधी दौड़ चलती है। एक समय था जब कुकुरमुत्ते की तरह प्रबंधन संस्थान खुले और आज हालात यह है कि निजी क्षेत्र में खुले इस तरह के संस्थानों को क्षमता के अनुसार विद्यार्थी ही नहीं मिल रहे हैं। लगभग यही

स्थिति इंजीनियरिंग कालेजों की होती जा रही है। गली गली में फामेर्सी संस्थान खुलते जा रहे हैं। सौ टके का सवाल यह है कि अध्ययन संस्थान खोलने की अनुमति के साथ ही अध्ययन का स्तर भी बनाये रखने के लिए फेकेल्टी को लेकर भी मान्यता देते समय सरकार को गंभीर होना होगा। जब तक स्तरीय अध्ययन उपलब्ध नहीं होगा तब तक हम पास आउट तो करते रहेंगे पर प्लेसमेंट या अच्छे पैकेज की बात करना बेमानी होगा। सरकार को शिकागो, हार्वर्ड कोलंबिया, पेन्सिलवेनिया या इसी तरह की संस्थानों से पासआउट के साथ जो हालात बन रहे हैं उससे समय रहते सबक लेना होगा और अन्य संस्थानों में भी शिक्षण और शोध की गुणवत्ता सुनिश्चित करनी होगी ताकि पासआउट की लंबी फोज नहीं बन सके। युवाओं में नैराश्य भी नहीं आये और देश को योग्य युवा मिल सके।

इंडियन मीडिया लिटरेसी नेटवर्क पर डीएसजे ने आयोजित की फैक्टशाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म द्वारा बुधवार को इंडियन मीडिया लिटरेसी नेटवर्क पर एक प्रशिक्षण सत्र ‘फैक्टशाला’ का आयोजन किया गया। यह नेटवर्क डेटा लीड्स द्वारा गूगल न्यूज़ इनिशिएटिव के सहयोग से विकसित किया गया है। डीएसजे की मानद निदेशक प्रो. भारती गोरे ने बताया कि इस सत्र का उद्देश्य प्रतिभागियों को गलत सूचना की वास्तविकता और डिजिटल युग में तथ्य जांच के महत्व को समझाना था। फैक्टशाला यूनिवर्सिटी नेटवर्क से जुड़े मीडिया लिटरेसी ट्रेनर डॉ. तिलक झा ने इस सत्र का संचालन किया। कार्यशाला की अध्यक्षता दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म की मानद निदेशक प्रो. भारती बी. गोरे ने की। इस कार्यक्रम का संयोजन डॉ. प्रियांका सचदेवा द्वारा किया गया। सत्र के दौरान डॉ. तिलक झा ने तथ्य जांच के महत्वपूर्ण पहलुओं, मीडिया में गलत सूचना के प्रसार और किसी भी जानकारी को मानने या साझा करने से पहले उसकी सत्यता जांचने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को कई विश्वसनीय तथ्य-जांच वेबसाइटों की जानकारी भी दी। यह कार्यशाला बेहद रोचक और ज्ञानवर्धक रही। डॉ. तिलक झा के विचारशील व्याख्यान ने छात्रों और शिक्षकों का ध्यान आकर्षित किया। सत्र के अंत में एक इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उत्साहित छात्रों ने कई सवाल पूछे, जिससे उनकी मीडिया साक्षरता में रुचि स्पष्ट रूप से झलक रही थी।

किशनगढ़ गांव में सीवर लाइन डालने के काम का शुभारंभ हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। महरौली विधायक गजेंद्र यादव ने क्षेत्र के किशनगढ़ गांव में उद्घाटन कर नई सीवर लाइन कार्य का शुभारंभ किया शुरू किया गांव की लगभग सभी गलियां सीवर के ओवर फ्लो और सीवर की गंदगी से भरी पड़ी सड़कों से परेशान थे गांव के रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनसंचालक पूर्व एसीपी सुरेंद्र सेहरावत के अनुसार सीवर लगभग 20 साल पहले पड़े थे गांव की आबादी बढ़ गई अब वह सीवर कामयाब नहीं है और पिछले ढाई वर्षो में सीवर विभाग ने कोई काम किशनगढ़ गांव में नहीं किया नई सीवर लाइन लगने से काफी सुविधा होगी पूर्व निगम पार्षद आरती सिंह के अनुसार पिछली सरकार अधिकारियों से लड़ती झगड़ती रहती थी तो काम रूके हुए थे डबल इंजन की सरकार के बाद सभी काम बहुत तेजी से महरौली विधानसभा में शुरू हुए हैं भाजपा युवा नेता डॉ अशोक मान के अनुसार विधायक गजेंद्र यादव वे पिछले लगभग सवा महीना से लगातार विधानसभा में विकास कार्यों की शुरुआत कर चुके हैं पूर्व निगम पार्षद मनोज मेहलावत ने संचालन करते हुए विधायक की भुरी भूरी प्रशंसा करी और उनके कामों को सराहा जल बोर्ड श्री अशोक गुप्ता मौके पर पूरा नक्शा लेकर खड़े दिखाई दिए विधायक गजेंद्र यादव ने फेसबुक लाइक लाइव के जरिए पूरे किशनगढ़ गांव में बिछने वाली सीवर लाइन का नक्शा व सीवर प्रोजेक्ट पर वर्क आर्डर भी जनता के समक्ष रखा गजेंद्र यादव ने कहा महरौली विधानसभा में लंबे समय बाद भाजपा पार्टी जीत कर आई है सभी को उम्मीदें बहुत हैं उन सभी उम्मीदों पर खरा उतरने का मेरा प्रयास है। किशनगढ़ सीवर कार्य विधायक निधि से लगभग 1.25 करोड़ में पूरा होगा। आवश्यकता होगी तो किशनगढ़ के लिए अतिरिक्त फंड भी दिया जाएगा। पिछले एक महीने में विधानसभा में लगभग 20 सड़क नवनिर्माण अभी तक कराई गई है मंडल अध्यक्ष पवन चौधरी, राजेश ढाका, रोहतास मान, वेद मान, कंवर सिंह, नफे सिंह मेहलावत, वार्ड 2 से फूल सिंह मेहलावत, राकेश मेहलावत, भी उपस्थित रहे।

रविन्द्र कश्यप को कश्यप निषाद संगठन दिल्ली प्रदेश महामंत्री नियुक्त किया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कश्यप निषाद संगठन दिल्ली प्रदेश की एक अहम बैठक का आयोजन संजीव कश्यप प्रदेश अध्यक्ष की अध्यक्षता में किया गया जिसमें संगठन का विस्तार करते हुए कुछ महत्वपूर्ण नियुक्तियां की गई जिसमें रविंद्र कश्यप को प्रदेश का महामंत्री नियुक्त किया गया मुकेश कश्यप को प्रदेश उपाध्यक्ष, धर्मवीर कश्यप को जिला अध्यक्ष मयूर विहार नियुक्त किया गया। इस बैठक में उपस्थित रहे धर्मपाल कश्यप, प्रदेश उपाध्यक्ष; अश्वनी कश्यप, मास्टर शिव कुमार कश्यप, मास्टर सतीश कश्यप, संजय कश्यप, नवीन कश्यप, आकाश कश्यप, भारत कश्यप, गजेंद्र कश्यप। आगामी 5 अप्रैल को महर्षि कश्यप की जयंती के उपलक्ष में घंटाघर मैदान गाजियाबाद में आयोजित होने वाले महाकुंभ के विषय में एवं दिल्ली में समाज को और सशक्त एवं संगठित करने की दिशा में महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई।

बजट सत्र के आखिरी दिन एमसीडी की बैठक में जोरदार हंगामा, भाजपा और 'आप' पार्षदों के बीच धक्का-मुक्की

नई दिल्ली (एजेंसी)। एमसीडी सदन में हंगामा, भाजपा और आप पार्षदों ने एक दूसरे के खिलाफ किया प्रदर्शन। कांग्रेस पार्षदों ने भी पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया, जिस पर लिखा था, %संविधान हमारी पहचान है, संविधान की हत्या बंद करो%। 2024-25 और अगले वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट को अंतिम रूप देने के लिए आज सदन की कार्यवाही बुलाई गई थी। आप और भाजपा पार्षद मेज और कुर्सियों पर खड़े होकर एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। कांग्रेस पार्षदों ने भी पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया, जिस पर लिखा था, 'संविधान हमारी पहचान है, संविधान की हत्या बंद करो।'

गौरतलब है कि सदन की बैठक आज 2024-25 और अगले वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट को अंतिम रूप देने के लिए बुलाई गई थी। पार्षदों ने एजेंडा पेपर फाड़ दिए, टेबल पर चढ़ गए और नारेबाजी की, जिससे सदन में अराजकता फैल गई। नारेबाजी के कारण कार्यवाही बाधित हुई और फटे हुए दस्तावेज हवा में लहराए गए, जिसके कारण सदन को स्थगित करना पड़ा। एमसीडी मेयर महेश खीची ने आरोप लगाया कि सत्र के दौरान भाजपा पार्षदों ने उनसे माइक छीन लिया। उन्होंने कहा कि बजट सत्र का अंतिम दिन होने के बावजूद विपक्ष असहयोगी बना रहा और जानबूझकर कार्यवाही को बाधित किया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान खीची ने आरोप लगाया, ÷विपक्षी पार्षद मेज पर खड़े हो गए और सदन में चर्चा किए जाने वाले मुख्य बिंदुओं की सूची फाड़ दी।÷ उन्होंने दावा किया कि पिछले दो सालों से विपक्ष लगातार सदन की कार्यवाही में बाधा डाल रहा है और चर्चाओं को रोक रहा है। उन्होंने कहा, ÷इस बार भी उन्होंने यही किया।÷ खीची ने कहा, ÷दलित मेयर के साथ इस तरह का व्यवहार अनुचित है और संविधान के खिलाफ है।÷ इससे पहले सोमवार को एमसीडी ने दक्षिणी दिल्ली में सड़क विकास परियोजनाओं में तेजी लाने, चार गौशालाओं में मवेशियों को खिलाने के लिए लंबित भुगतान का निपटारा करने और बागवानी विभाग के लिए अतिरिक्त मानव संसाधन की नियुक्ति करने के प्रमुख प्रस्तावों को मंजूरी दी थी।

महाराणा प्रताप अंतरराज्यीय बस अड्डा बदहाली की कगार पर : जय भगवान गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराणा प्रताप अंतरराज्यीय बस अड्डे में हो रही अनियमिताओं के बारे में लगातार आ रही शिकायतों को लेकर श्री जय भगवान गोयल, अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष यूनाइटेड हिंदू फ्रंट, वरिष्ठ वरिष्ट नेता, भाजपा, अध्यक्ष महानगर ट्रांसपोर्ट सेना, निरीक्षण करने पहुंचे। वहां पर कार्य कर रहे ट्रांसपोर्ट डिपार्मेंट (आईएसबीटी) एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारी ने उनका स्वागत किया। ठेकेदार के कर्मचारियों, बस अड्डे के पदाधिकारी, बस कंडक्टरों और आम यात्रियों से मिलकर बस अड्डे का निरीक्षण किया। इस दौरान बस अड्डे के अंदर हो रही परेशानियों और अव्यवस्थाओं की जानकारी दी। लोगों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार पाया गया कि वहां पर जो शौचालय है बहुत ही अव्यवस्थित हैं। कुछ टॉयलेट सीट टूटी पाई गई और हाथ धोने तक के लिए साबुन भी नहीं पाया गया। पीने के स्वच्छ पानी की कोई बढ़िया व्यवस्था भी नहीं पाई गई और यात्रियों के लिए खान-पान व जलपान की भी कोई व्यवस्था नहीं है जो पहले हुआ करती थी। सुरक्षा के भी कोई उचित प्रबंध नहीं पाए गए। प्राइवेट बस ऑपरेटर की स्थानीय पुलिस अधिकारियों व स्थानीय बस अड्डा के अधिकारियों से मिली भगत के कारण यात्रियों से खुली अवैध वसूली करने की भी जानकारी लोगों द्वारा दी गई। ठेकेदार और जो बस अड्डे के प्रशासनिक अधिकारी हैं उनकी लापरवाही के कारण यात्रियों को आए दिन इन सारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। दूसरे राज्यों से आने वाले सरकारी बस ऑपरेटरों के लिए बुकिंग काउंटर की व्यवस्था तक नहीं पाई गई जो कि पहले हुआ करती थी। श्री गोयल ने उपस्थित कर्मचारियों और यात्रियों को अश्वत किया कि जल्द ही श्री पंकज सिंह ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर और ट्रांसपोर्ट कमिश्नर को मिलकर सभी जानकारी से अवगत करवाकर समस्याओं का समाधान शीघ्र करवाया जाएगा।

यमुना की सफाई पर काम कम और इवेंट मैनेजमेंट पर ज्यादा दिया जा रहा है ध्यान : सुनील कुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की भारतीय जनता पार्टी सरकार यमुना की सफाई पर तो कम ध्यान दे रही है लेकिन उसे इवेंट बनाकर पेश करने में लगी है। और यही हाल भाजपा के कार्यकर्ताओं का है वे सोशल मीडिया के माध्यम से यह पेश करने का प्रयास कर रहे हैं दिल्ली सरकार नें महीने भर में ही यमुना को साफ़ करने के लिए बड़े पैमाने पर तैयारी शुरू कर दी है। लेकिन ऐसा कुछ नहीं है। यह कहना है दिल्ली प्रदेश कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष सुनील कुमार का। सुनील कुमार कहते हैं भाजपा कार्यकर्ता सोशल मीडिया पर पोस्ट डाल रहे हैं यमुना के किनारों पर आरती होनी शुरू हो गई है। यह कोई पहली बार नहीं हुआ है यमुना के तट पर आरती अनेक बार हुई है। पिछली सरकारों के समय पर भी होती थी, कांग्रेस सरकार के समय तो हमेशा होती थी और एक दो स्थानों पर नहीं बल्कि कई-कई स्थानों पर होती थी। लेकिन कांग्रेस कभी प्रचार नहीं करती थी। सुनील कुमार कहते हैं शीला दीक्षित सरकार के समय यमुना किनारों पर छठ पूजा के दौरान भव्य तैयारियां की जाती थी, आरती होती थी, तटों पर रौशनी की व्वस्था की जाती थी। सुनील कुमार कहते हैं केवल वोट में यमुना का भ्रमण करने से यमुना साफ़ नहीं होगी उसके लिए कार्ययोजना बनानी होगी। जहां तक यमुना की सफाई का मसला है केंद्र सरकार का भी इसमें सीधा हस्तक्षेप रहता है। पिछले 11 साल से केंद्र में भाजपा की ही सरकार है यमुना सफाई को ले केंद्र सरकार क्यों नाकाम रही उसका कहाँ जिक्र नहीं है। मंत्री बनने के बाद दिल्ली सरकार ने अधिकारीयों के साथ यमुना में भ्रमण किया तो उसे इवेंट बनाकर पेश किया जा रहा है। सुनील कुमार कहते हैं भाजपा सरकार को यमुना के प्रदूषित जहरीले जल की स्वच्छता और गुणवत्ता पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए क्योंकि एनजीटी के निर्देशानुसार दिल्ली प्रदूषण कंट्रोल कमेटी यमुना के जल की क्वालिटी चेक की मासिक रिपोर्ट में उजागर हुआ है कि तय मानकों अनुसार 8 जगह के सैंपल की रिपोर्ट में यमुना के पानी में 6400 गुणा दूषित जल पाया गया है। यह रिपोर्ट केजरीवाल शासन के दौरान भी आती थी। यमुना सफाई और भ्रष्टाचार को मुख्य मुद्दा बनाकर सत्ता में आई भाजपा पिछले 1 महीने से जनता से किए वायदों को दरकिनार करके दिल्ली वालों के साथ धोखा देने का काम कर रही है। सुनील कुमार ने कहा कि यमुना का पानी अभी पीने योग्य नही है जो दिल्ली के लिए चिंताजनक है। यमुना की यह स्थिति लगातार लम्बे समय से असंशोधित सीवेज और इंडस्ट्रियल वेस्ट घुलने के कारण हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की मुख्यमंत्री और मंत्री भी आम आदमी पार्टी की भांति यमुना में सर्वेक्षण के नाम पर फोटो खिंचवाने का काम कर रहे है, कार्य योजना को कार्यान्वित करने में संवेदनशीलता अभी तक कहीं दिखाई नही दी। यमुना सफाई, कूड़े के पहाड़ अथवा दिल्ली की सड़कों की खस्ताहाल, हर विषय पर भाषण और बयान सब केजरीवाल की कार्यशैली से मिलते जुलते प्रदर्शित हो रहे है।

आवारा गायों को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में लगाई गई याचिका

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका के ज़रिए राजधानी में बढ़ती आवारा गायों की समस्या और उनके शोषण को लेकर तुरंत कदम उठाने की गुहार लगाई गई है। याचिका में इन बेजुबानों की सुरक्षा और जनहित को ध्यान में रखते हुए प्रभावी समाधान की मांग की गई है। इस याचिका में कहा गया है कि 01 जनवरी 2023 से 19 फरवरी 2025 के बीच दिल्ली पुलिस को सड़कों पर गायों द्वारा उत्पन्न खतरे से संबंधित लगभग 25,593 पुलिस को पीसीआर कॉल्स प्राप्त हुईं। यह आंकड़ा केवल समस्या की गम्भीरता को दिखाता है, जबकि कई मामलों में आवारा मवेशियों के कारण लोगों को गंभीर चोटें भी पहुंची हैं। दिल्ली हाई कोर्ट में सेव इंडिया फाउंडेशन नाम के एक रजिस्टर्ड ट्रस्ट द्वारा दायर की गई है। दिल्ली हाईकोर्ट के दाखिल याचिका में आरोप लगाया गया है कि सरकारी एजेंसियों उन संगठित गिरोहों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं, जो पंजाब और उत्तर प्रदेश की डेयरियों से गायों को खरीदकर उन्हें दिल्ली की सड़कों पर छोड़ देते हैं। याचिका में कहा गया है कि कुछ एमसीडी के अधिकारियों की सांठगांठ से इन गायों को जानबूझकर छोड़ दिया जाता है जिससे सार्वजनिक जगहों और सड़कों पर भारी समस्याएं पैदा हो रही हैं। याचिकाकर्ता संगठन ने स्वयंसेवी सहायता देने की पेशकश भी की थी। लेकिन इसके बावजूद अधिकारियों द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। दिल्ली हाई कोर्ट में दाखिल अर्जी में कहा गया सिविक एजेंसी ने इस मुद्दे से निपटने के लिए मौजूद बुनियादी ढांचे की पारदर्शिता नहीं दिखाई है। दिल्ली में गौशालाओं की संख्या, पानी की सुविधाएं, घायल या बीमार मवेशियों के इलाज के लिए मौजूद पशु चिकित्सकों और इस समस्या से जुड़ी शिकायतों के निवारण की व्यवस्था आदि का कोई स्पष्ट ब्यौरा उपलब्ध नहीं कराया गया है। याचिका में यह भी किया गया है कि ये गायें प्राय: दूध न देने वाली (नॉन-मिल्च) होती हैं, इसलिए उनके मालिकों के लिए अनुपयोगी मानी जाती हैं। लेकिन जैसे ही ये गायें बछड़ों को जन्म देती हैं, मालिक वापस आकर उनके बछड़ों को ले जाते हैं और उन्हें डेयरियों में बेचकर मुनाफा कमाते हैं। इससे एक दुष्चक्र उत्पन्न होता है, जिसमें गायों को सड़कों पर छोड़ दिया जाता है और केवल प्रजनन के उद्देश्य से उनका शोषण किया जाता है।

दिल्लीवालो हो जाओ सावधान कबूतरों को दाना डाला तो कटेगा 500 रुपये तक का चालान

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 19 मार्च (वेब वार्ता)। एमसीडी ने सड़क किनारे और मुख्य चौराहों के आसपास कबूतरों को दाना और आवारा जानवरों को चारा आदि डालने वालों पर शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी है। सिटी एसपी जोन से इसकी शुरूआत होने जा रही है। एमसीडी ने ऐसे सभी पॉइंटों से दाना बेचने वलों को हटाकर उसकी साफ सफाई करा दी है। बावजूद इसके इन पॉइंटों पर दाना और आवारा जानवरों के लिए चारा आदि डालना बंद नहीं हुआ। अब जाकर एमसीडी ने इन पॉइंटों पर दाना और चारा आदि डालने वालों का चालान काटने का फैसला किया है। सिटी एसपी जोन की डिप्टी कमिश्नर वंदना राव ने बताया कि जो व्यक्ति कार या बाइक से इन पॉइंटों पर दाना डालेगा, उसके घर पर चालान भेजा जाएगा। सोलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स में एमसीडी को 200 से 500 रुपये तक का चालान करने की पावर है। दिल्ली में आवारा जानवरों की समस्या दिनोंदिन विकराल रूप लेती जा रही है। एमसीडी अधिकारियों का कहना है कि दिल्ली में जगह-जगह आवारा जानवरों

को चारा आदि डालने के पॉइंट बने हुए हैं। अक्सर देखा गया है कि आवारा जानवर इन्हीं पॉइंटों के आसपास जमघट लगाए बैठे रहते हैं। आवारा जानवर वहीं चारा खाकर गोबर करते रहते हैं। इससे आसपास गंदगी तो फैलती ही है साथ ही कई जगहों पर जानवर ट्रैफिक में भी बाधा पैदा करते हैं। सड़क किनारे या मुख्य चौराहों पर कबूतरों को दाना आदि डालने से भी समस्या पैदा होनी शुरू हो गई है। अधिकारियों का कहना है कि जिन जगहों पर कबूतरों को दाना डाला जाता है वहां भी आसपास इतनी गंदगी रहती है कि वहां से गुजरना भी मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा जिस पॉइंट पर दाना डाला जाता है वहां चूहों की संख्या भी काफी बढ़ जाती है। चूहे आसपास की सड़क और फुटपाथ से लेकर पार्कों को भी खोखला कर देते हैं।

दिल्ली में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए भाजपा सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में नई सरकार सभी नालों से गाद निकालने और बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उपराज्यपाल वी के सक्सेना, लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री ने सुनहरी पुल नाले से गाद निकालने के कार्य का निरीक्षण किया।

दिल्ली में पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के कार्यकाल में गाद निकालने का काम नहीं होने का दावा करते हुए गुप्ता ने कहा कि अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को ''शून्य'' से शुरू करके काम पूरा करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि पानी की पाइपलाइन और लीकेज की हालत ऐसी है कि लगभग

आधे शहर को टैंकर के माध्यम से पानी मिल रहा है। गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार इन सभी चीजों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस पर काम करना शुरू भी कर दिया है।

उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री ने दो दिन पहले ही दक्षिणी दिल्ली में सुनहरी पुल नाले का निरीक्षण किया था। बुधवार को वे फिर से गाद निकालने के काम का निरीक्षण करने के लिए मौके पर गए। गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा, ''इस नाले को बनाने वालों ने इसे कम से कम 15 इंच मोटे कंक्रीट के स्लैब से ढककर गाद निकालने के बारे में कुछ नहीं सोचा। इस कारण आस-पास की कॉलोनियों में पानी भर जाता है।''

दिल्ली में बढ़ते अपराध पर आम आदमी पार्टी का भाजपा पर निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार पर जोरदार हमला बोला है। पार्टी के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने बुधवार को कहा कि 'डबल इंजन की सरकार' होने के बावजूद राजधानी में अपराध बढ़ रहे हैं और लोगों में दहशत का माहौल है। हाल ही में कोहाट एन्क्लेव में एक बुजुर्ग दंपति की हत्या और फतेहपुरी में 80 लाख रुपये की लूट की घटनाओं ने राष्ट्रीय राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सौरभ भारद्वाज ने प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि भाजपा सरकार दिल्ली में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह विफल हो गई है। एनसीआरबी (राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो) के आंकड़ों के अनुसार, देश में बुजुर्गों के खिलाफ होने वाला हर चौथा अपराध दिल्ली में होता है। केंद्र सरकार पिछले 11 साल से दिल्ली की कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाल रही है, लेकिन पुलिस में रिक्त पदों को भरने की कोई कोशिश नहीं की गई, जिससे स्थिति और बिगड़ गई है।

आप नेता ने बताया कि मंगलवार को दिल्ली के पॉश इलाके कोहाट एन्क्लेव में एक 70 वर्षीय बुजुर्ग और उनकी पत्नी के शव मिले। तीन दिन तक शव घर में पड़े रहे और किसी को खबर तक नहीं लगी। लूट के उद्देश्य से की गई इस हत्या में बुजुर्ग का गला नेबुलाइजर पाइप से दबाया गया और उनकी पत्नी को लोहे की रॉड से मारा गया। यह घटना दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के पड़ोस में घटी, जिससे कानून-व्यवस्था की पोल खुल गई है।

उन्होंने कहा कि मंगलवार शाम फतेहपुरी में भी अपराधियों ने बंदूक की नोक पर एक व्यापारी से 80 लाख रुपये लूट लिए। यह घटना पीक ऑवर्स में हुई, जब बाजार में भारी भीड़ रहती है। सीसीटीवी फुटेज में आरोपी कैद हुए हैं, लेकिन अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। इससे पहले, फरवरी में एक अन्य बुजुर्ग की हत्या कर उनके मेडिकल उपकरण लूट लिए गए थे।

सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस का राजनीतिकरण हो चुका है। भाजपा ने चुनावों के दौरान पुलिस का इस्तेमाल किया और अब वह उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस में स्टाफ की भारी कमी है। थानों में स्वीकृत पदों में से आधे रिक्त पड़े हैं, जिससे अपराधों की जांच और सुरक्षा व्यवस्था कमजोर पड़ रही है।

आप नेता ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, ÷मुख्यमंत्री (केंद्रीय) गृह मंत्री को चिट्ठी तो नहीं लिख पाएंगी, लेकिन कम से कम पीड़ित परिवारों से मुलाकात तो कर सकती हैं।÷ उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली में केवल 30 प्रतिशत मामलों में ही चार्जशीट दाखिल होती है, जिससे अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। दिल्ली में कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी केंद्र सरकार के हाथ में है और पिछले 11 साल में पुलिस व्यवस्था को सुधारने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से जल्द से जल्द पुलिस बल में नई भर्ती करने की मांग की।

दिल्ली में बढ़ते अपराधों को लेकर आप भाजपा और केंद्र सरकार पर लंबे समय से हमलावर है। पार्टी का कहना है कि कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी केंद्र के हाथ में होने के बावजूद हालात लगातार बिगड़ रहे हैं।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद मामले में हाईकोर्ट ने हिंदू पक्ष पर लगाया पांच हजार का हर्जाना

प्रयागराज (एजेंसी)। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मथुरा व शाही ईदगाह विवाद मामले में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग और भारत संघ को पक्षकार बनाने के लिए हिंदू पक्ष की ओर से दाखिल संशोधन अर्जी को हाईकोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। साथ ही हिंदू पक्ष पर पांच हजार रुपये हर्जाना लगाया है। यह राशि प्रतिवादी उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल बोर्ड को देय होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र की पीठ ने दिया। सूट नंबर एक के याची भगवान श्रीकृष्ण विराजमान और कटरा केशव देव और सूट नंबर 16 के याची देवता भगवान श्री कृष्ण लला विराजमान की ओर से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को और भारत संघ को पक्षकार बनाने की मांग की थी। सूट नंबर एक के अधिवक्ता हरिशंकर जैन की संशोधन अर्जी पर मुस्लिम के साथ ही हिंदू पक्षकारों ने विरोध जताया था। अर्जी को रद्द करने की मांग की थी। पांच मार्च को सुनवाई के बाद कोर्ट ने ऑर्डर रिजर्व कर लिया था। अब कोर्ट ने ऑर्डर जारी कर संशोधन अर्जी को हर्जाने के साथ स्वीकार कर लिया है।

मणिपुर के चुराचांदपुर में जोमी और हमार जनजाति के बीच हिंसा

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में बीती रात जोमी और हमार जनजाति के बीच हिंसा हुई। हिंसा में हमार जनजाति के रोपुई पाकुमटे नामक व्यक्ति की मौत हुई और कई अन्य घायल हो गए। ये हिंसा तब हुई जब हमार जनजाति के युवकों ने सीलमत क्षेत्र के पास फहराए गए जोमी झंडे को उतार दिया। हिंसा को रोकने के लिए बुधवार सुबह सिक्योरिटी फोर्स ने फ्लैग मार्च किया। साथ ही चुराचांदपुर जिले के डिप्टी कमिश्नर धरुण कुमार ने अपील कर कहा कि शांतिपूर्ण समाधान के लिए जिला मजिस्ट्रेट हर संभव कोशिश कर रही है। जिला प्रशासन सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है। वहीं हमार संगठन ने बताया कि हमारे सदस्यों को बार-बार निशाना बनाया जा रहा हमले की आलोचना करते हुए हमार इनपुई ने कहा कि अपराधियों को तुरंत पकड़ा जाए। साथ ही चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर वे अपनी खुद की कार्रवाई करने को तैयार है। संगठन ने कहा, यह घटना कोई अकेली घटना नहीं है।

पिछले एक साल में बढ़ी सोने की तस्करी

मुंबई (एजेंसी)। सोने के आयात शुल्क में वृद्धि तथा भारत में सोने की कीमतों में भारी वृद्धि के मद्देनजर पिछले एक साल में सोने की तस्करी की घटनाएं बड़े पैमाने पर बढ़ी हैं। सोने की तस्करी न केवल सोने के आभूषणों, बिस्कुटों और बार के रूप में की जा रही है, बल्कि सोने के पेस्ट और सोने के पाउडर के रूप में भी की जा रही है। दिलचस्प बात यह है कि सोने के पेस्ट और सोने के पाउडर को संसाधित करके भारत में बेचा जा रहा है। हाल ही में मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रवर्तन निदेशालय ने सोने की तस्करी का पर्दाफाश करते हुए 4 अलग-अलग मामले दर्ज कर 10 किलो 923 ग्राम सोना जब्त किया है। जब्त सोने की कीमत 8 करोड़ 47 लाख रुपये है। पिछले कुछ दिनों में दुबई, अबू धाबी, बैंकॉक, मस्कट और सिंगापुर से बड़ी मात्रा में सोने की तस्करी देश में की गई है। दिलचस्प बात यह है कि मुंबई और दिल्ली के हवाई अड्डों पर जांच एजेंसियों की बढ़ती सतर्कता के कारण, हाल ही में कई तस्करों ने विदेशी विमानों से छोटे भारतीय हवाई अड्डों पर सोने की तस्करी करने की कोशिश शुरू कर दी है।

आतंकी घटनाओं में 71 प्रतिशत की कमी, आतंकवादी अब जेल या जहन्नुम जाएंगे

-राज्यसभा में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट सत्र के दूसरे चरण के छठे दिन बुधवार को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने आतंकी घटनाओं पर केंद्र सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा, मोदी सरकार के आने के बाद देश में आतंकी घटनाओं में 71 प्रतिशत की कमी आई है और आतंकवादी अब जेल या जहन्नुम जाएंगे। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री राय ने बताया कि पहले जब आतंकवादियों का महिमामंडन किया जाता था और उन्हें अच्छा खाना परोसा जाता था, लेकिन मोदी सरकार की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की पॉलिसी है। वहीं लोकसभा में केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा, सरकारी कर्मचारियों की रिटायरमेंट की उम्र में बदलाव को लेकर कोई भी प्रस्ताव पेंडिंग नहीं है। न ही इस पर विचार हो रहा है। कर्मचारियों के रिटायरमेंट के बाद खाली होने वाले पदों को खत्म करने की केंद्र सरकारी की कोई नीति नहीं है। राय ने कहा कि मैं इन आरोपों से सहमत नहीं हूं कि एनआईए के खिलाफ शिकायतें हैं। ये सब निराधार हैं। अगर कोई शिकायत है भी उन लोगों की मनगढ़ंत कहानी है, जिन्हें आतंकियों के खिलाफ लिए जा रहे एक्शन से परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि एनआईए लंदन और ओटावा में इंडियन हाई कमिशन और सैन फ्रांसिस्को में वाणिज्य दूतावास पर हमले की घटनाओं की जांच कर रही है।

लालू यादव से 4 घंटे तक ईडी के अधिकारियों ने पूछे सवाल

पटना (एजेंसी)। आरजेडी अध्यक्ष लालू यादव पर लैंड फॉर जॉब स्कैम मामले में शिकंजा कसता जा रहा है। प्रवर्तन निदेशालय अर्थात ईडी ने बुधवार को उनको पूछताछ के लिए पटना स्थित ईडी जोनल कार्यालय में बुलाया। सुबह 11 बजे से पूछताछ शुरू हुई जो दोपहर करीब तीन बजे तक चली। यानि करीब चार घंटे तक लालू से पूछताछ हुई। इसके बाद लालू यादव ईडी दफ्तर से बाहर निकल गए। लालू के साथ उनकी बड़ी बेटी और पाटलिपुत्र से लोकसभा सांसद मीसा भारती भी ईडी ऑफिस पहुंचीं थी। मालूम हो कि इसी मामले में मंगलवार को राबड़ी देवी और तेजप्रताप यादव से भी सवाल-जवाब हुए थे। हालांकि लालू से पहले भी पूछताछ हो चुकी है।

अब दिल्ली स्थित केजरीवाल के शीशमहल का बीजेपी करेगी इस्तेमाल !

-गणमान्य व्यक्तियों के लिए स्टेट गेस्ट हाउस बनाने पर कर रही विचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की बीजेपी सरकार 6, फ्लैग स्टाफ रोड स्थित बंगले का इस्तेमाल करेगी, जिसे बीजेपी ने ही शीशमहल नाम दिया है। अरविंद केजरीवाल के कार्यकाल में सीएम आउस रहे इस बंगले को अब स्टेट गेस्ट हाउस के तौर पर इस्तेमाल करने पर विचार किया जा रहा है। केजरीवाल सरकार की ओर से बंगले के रेनोवेशन को लेकर दिल्ली विधानसभा चुनावों के दौरान बीजेपी ने आप के खिलाफ प्रचार किया था। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली में आने वाले गणमान्य व्यक्तियों के लिए एक स्टेट गेस्ट हाउस की जरूरत पड़ती है। रिपोर्ट में अधिकारी ने कहा कि बाकी राज्यों की तरह शहर में ऐसा कोई गेस्ट हाउस नहीं है। इसी वजह से 6, फ्लैग स्टाफ रोड स्थित बंगले को गेस्ट हाउस के तौर पर इस्तेमाल करने पर विचार किया जा रहा है, लेकिन अंतिम फैसले का इंतजार है। फ्लैग स्टाफ रोड सिविल लाइंस इलाके में आता है, जहां राजभवन, दिल्ली विधानसभा और सचिवालय हैं।

अधिकारी ने बताया कि 1990 के दशक में 33, शाम नाथ मार्ग पर स्थित एक संपत्ति को स्टेट गेस्ट हाउस बनाने की बात हुई थी लेकिन इस पर सहमति नहीं बन पाई। तब से दिल्ली में ऐसा कोई गेस्ट हाउस नहीं है। आप सरकार के तहत 33, शाम नाथ मार्ग, दिल्ली के थिंक टैंक डायलॉग एंड डेवलपमेंट कमीशन का पता था, जिसे उसने सरकार की नीतियों पर सलाह देने के लिए बनाया था। 1942 में निर्मित 6, फ्लैग स्टाफ रोड, बंगले में शुरू में एक ऑफिस और पांच बेडरूम थे। यह लुटियंस दिल्ली क्षेत्र के बाहर सबसे बड़ी संपत्तियों में से एक है।

1960 के दशक से यह बंगला दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग के अंडर में है। इससे पहले यह बंगला वरिष्ठ कांग्रेस नेता चौधरी प्रेम सिंह का घर हुआ करता था, जो दो बार दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष रह चुके थे। उसके बाद यह बंगला दिल्ली सरकार में कार्यरत नौकरशाहों को आवंटित कर दिया गया। 2020 के मॉनसून के दौरान छत गिरने के बाद आप सरकार ने इसका रेनोवेशन कराया, उसके बाद कोविड महामारी के आने तक एक टॉयलेट में भी इसी तरह की घटना हुई। कथित तौर पर घर के सिक्योरिटी ऑडिट से रेनोवेशन की जरूरत का पता चला। केजरीवाल 2015 में अपने माता-पिता, पत्नी और दो बच्चों के साथ इस बंगले में रहने चले गए और अक्टूबर 2024 तक इसमें रहे। दिल्ली के सीएम के पद से हटने के कुछ दिनों बाद उन्होंने इसे खाली कर दिया और अपने परिवार के साथ 5, फिरोजशाह रोड, बंगले में चले गए, जो आधिकारिक तौर पर पंजाब से आप के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल को आवंटित था।

बता दें 3 दिनों तक केजरीवाल की

उत्तराधिकारी और आप की सीएम आतिशी भी इस घर में रहीं, लेकिन 9 अक्टूबर को पीडब्ल्यूडी ने उन्हें घर खाली करने को कहा। पीडब्ल्यूडी ने कहा कि केजरीवाल द्वारा संपत्ति का ऑफिशियल ट्रांसफर अभी तक नहीं हुआ है। पीडब्ल्यूडी ने इस साल जनवरी में आतिशी को बंगले का आवंटन का अपना प्रस्ताव रद्द कर दिया। बीजेपी की सीएम रेखा गुप्ता शालीमार बाग स्थित अपने पारिवारिक घर से ही काम कर रही हैं, उनके लिए भी घर की तलाश जारी है।

सभी राज्यों के विधायकों के पास 73348 करोड़ की संपत्ति - जनता गरीब-विधायक अमीर

नई दिल्ली। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म ने भारत के 28 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के 4092 विधायकों के हलफनामे का विश्लेषण किया है। इस विश्लेषण से पता चला है, चार विधायकों के पास 1000 करोड रुपए से ज्यादा की संपत्ति है। 500 से 1000 करोड रुपए वाले विधायकों की संख्या 8 है। 100 से 500 करोड रुपए तक की संपत्ति वाले विधायकों की संख्या 107 है। सभी राज्यों में केवल 65 विधायक ऐसे हैं। जिनकी संपत्ति 30 लाख रुपए से कम है। बाकी विधायक करोड़पति हैं। सभी विधायकों की संपत्ति जोड़ने के बाद 73348 करोड रुपए की संपत्ति के मालिक सभी राज्यों के विधायक हैं। विधायकों की संपत्ति के मामले में कर्नाटक सबसे आगे है। कर्नाटक के विधायकों के पास 14179 करोड रुपए की संपत्ति है। उसके बाद महाराष्ट्र के विधायकों के पास 12424 करोड रुपए की संपत्ति है। तीसरा नंबर आंध्र प्रदेश का आता है। यहां के विधायकों के पास 11323 करोड रुपए की संपत्ति है। चौथे नंबर पर मध्य प्रदेश है। यहां पर 2699 करोड रुपए की संपत्ति विधायकों के पास है। पांचवें स्थान पर राजस्थान है। यहां के विधायकों के पास 1544 करोड रुपए की संपत्ति है। विधायक बनने के बाद बड़ी तेजी के साथ उनकी संपत्ति बढ़ने लगती है। गरीबों की संपत्ति जरूर घट रही है।

जम्मू-कश्मीर से आप के इकलौते विधायक के खिलाफ वारंट जारी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर से आम आदमी पार्टी के एकमात्र विधायक मेहराज मलिक के खिलाफ गैर-जमानत वारंट जारी कर दिया गया है। आप के विधायक के खिलाफ वारंट जम्मू की एक कोर्ट ने पूर्व विधायक और मंत्री गुलाम मोहम्मद सरूरी द्वारा दायर मानहानि मामले के संबंध में जारी किया गया है। जम्मू में विशेष आबकारी मजिस्ट्रेट ने एसएचओ को आरोपी को गिरफ्तार कर 14 मई को कोर्ट में पेश करने का निर्देश दिया।

रिपोर्ट के मुताबिक, कोर्ट ने 17 मार्च के आदेश में कहा कि चूंकि आरोपी मेहराज दीन मलिक पुत्र शमास दीन मलिक पर भारतीय दंड संहिता की धारा 499 के तहत अपराध का आरोप है। आपको उक्त आरोपी को गिरफ्तार करने और 17 मई को मेरे सामने पेश करने का निर्देश दिया जाता है। यह मामला डोडा में जिला विकास परिषद (डीडीसी) चुनावों के दौरान मलिक द्वारा सरूरी के खिलाफ मानहानि और धमकी देने के आरोपों से उपजा था। सरूरी ने शिकायत दर्ज कराई, जिसमें दावा किया गया कि मलिक ने सोशल मीडिया पर प्रसारित वायरल वीडियो क्लिप में उनके खिलाफ 'गंदी, दुर्भावनापूर्ण और अपमानजनक भाषा' का इस्तेमाल किया। 4 जून 2024 को कोर्ट ने मामले का संज्ञान लेकर मलिक को समन जारी किया और उन्हें 20 जुलाई 2024 को कोर्ट में पेश होने का निर्देश दिया था। हालांकि, आप विधायक मलिक पेश नहीं हुए, जिसके बाद कोर्ट ने अंततः 17 मार्च को उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया। मामले की अगली सुनवाई 14 मई को होगी जब न्यायालय वारंट के अनुपालन की समीक्षा करेगा।

वहीं, मामले पर प्रतिक्रिया देकर आप विधायक मलिक ने कहा कि यह एक निजी मामला है और वह विधानसभा में अपने कर्तव्यों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। मलिक ने कहा कि मैं एक विधायक हूं, आप मुझसे विधानसभा में क्या चल रहा इस बारे में पूछ सकते है। उन्होंने कहा कि जिन्होंने मुझे राजनीति सिखाई, वे अब मुझे कानून भी सिखाएंगेज्मुझे नहीं पता कि वारंट क्या है। मैं लोगों के मुद्दों के साथ विधानसभा में व्यस्त हूंज यह एक गैर-जमानती वारंट है। मुझे गिरफ्तार किया जा सकता है और जमानत मिल सकती है। इससे ज्यादा क्या हो सकता है? मैंने किसी को नहीं मारा हैज कोई छोटा-मोटा मामला हो सकता है; मुझे इसके बारे में नहीं पता।

कई चुनाव हारने के बाद कांग्रेस का अब संगठन को मजबूत करने पर जोर

-दिल्ली में तीन दिवसीय बैठक के लिए देशभर के 700 जिला अध्यक्षों को बुलाया

नई दिल्ली(एजेंसी)। कई चुनावों में हारने वाली कांग्रेस पार्टी अब संगठन को मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाने जा रही है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने अपनी जिला कांग्रेस कमेटियों (डीसीसी) को संगठन का केंद्र बिंदु बनाने की दिशा में कदम उठाया है। इसके तहत एआईसीसी देश भर के करीब 700 जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों की एक तीन दिवसीय बैठक का आयोजन कर रही है। यह बैठक 27-28 मार्च और 3 अप्रैल को नई दिल्ली में होगी। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य नई संगठनात्मक रूपरेखा लागू करना है, जिससे जमीनी स्तर पर पार्टी की मशीनरी को मजबूत किया जा सके।

यह बैठक 16 साल बाद होने जा रही है, जो कांग्रेस के लिए एक अहम कदम माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक इस पहल का पायलट प्रोजेक्ट गुजरात में लागू किया जाएगा, जहां 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। बैठक में डीसीसी अध्यक्षों को उम्मीदवारों के चयन में अहम भूमिका देने और संगठन को सशक्त बनाने पर जोर दिया जाएगा। एआईसीसी के महासचिवों और प्रभारियों की एक बैठक में निर्णय लिया गया, जिसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी शामिल थे।

बैठक में प्रियंका गांधी सहित कुछ नेताओं के एक अनौपचारिक समूह द्वारा तैयार की गई संगठनात्मक मजबूती की रूपरेखा पर चर्चा की। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि यह बैठक हमारी जिला इकाइयों को सशक्त बनाने और संगठन को नई दिशा देने के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। हमारा लक्ष्य जमीनी स्तर पर पार्टी की ताकत को बढ़ाना है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इस बैठक के जरिए कांग्रेस अपनी रणनीति को और प्रभावी बनाना चाहती है, खासकर उन राज्यों में जहां विधानसभा चुनाव होने हैं।

गुजरात में इस पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के आधार पर इसे अन्य राज्यों में भी लागू करने की योजना है। यह कदम कांग्रेस के लिए संगठनात्मक ढांचे में बदलाव और जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच नई ऊर्जा भरने का प्रयास माना जा रहा है। आने वाले दिनों में इस बैठक के नतीजे पार्टी की भविष्य की रणनीति पर गहरा प्रभाव डाल सकते हैं। गुजरात पिछले तीन दशकों से बीजेपी का मजबूत गढ़ रहा है और यह पीएम नरेंद्र मोदी का गृह राज्य भी है। अगर कांग्रेस गुजरात में सफलता हासिल करती है, तो यह बीजेपी की अजेय छवि को चुनौती दे सकता है और राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस की स्थिति को मजबूत कर सकता है।

गुजरात में कांग्रेस का पारंपरिक वोट बैंक, खासकर ग्रामीण इलाकों, आदिवासी क्षेत्रों और कुछ शहरी मतदाताओं के बीच अभी भी है। 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 77 सीटें जीती थीं, जो बीजेपी के लिए टक्कर थी। हालांकि 2022 के चुनाव में पार्टी महज 17 सीटें ही जात पाई। पार्टी मानती है कि अगर वह अपने वोट प्रतिशत को 5-10 फीसदी और बढ़ा सके, तो सत्ता में आना संभव है। गुजरात में कांग्रेस लंबे समय से संगठनात्मक रूप से कमजोर रही है, जिसके कारण नेताओं का पलायन और आंतरिक कलह बढ़ा है। अब पार्टी जमीनी स्तर पर अपनी मशीनरी को मजबूत करने के लिए गुजरात को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर इस्तेमाल करना चाहती है, जैसा कि हाल की बैठक और राहुल गांधी के दौरे से संकेत मिलता है। 2027 के गुजरात विधानसभा चुनाव और उससे पहले स्थानीय निकाय चुनावों को देखते हुए कांग्रेस अभी से तैयारी शुरू कर रही है। हाल के लोकसभा चुनाव (2024) में बनासकांठा सीट जीतने के बाद पार्टी को उम्मीद है कि वह इस सफलता को आगे बढ़ा सकती है।

ममता सरकार ने अपने खास वर्ग के कर्मचारियों को कर दिया खुश 6,800 रुपये का तदर्थ बोनस देने का लिया फैसला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने अपने एक खास वर्ग के कर्मचारियों को खुश कर दिया है। ममता सरकार ने उन कर्मचारियों को 6,800 रुपये का तदर्थ बोनस देने का फैसला किया है, जो किसी उत्पादकता आधारित बोनस सिस्टम का हिस्सा नहीं हैं। ये बोनस कर्मचारियों को मार्च तक 44,000 रुपये से कम मासिक वेतन वाले कर्मचारियों को दिया जाएगा। इस बारे में एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वित्त विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। आदेश के अनुसार मुस्लिम समुदाय के कर्मचारियों को बोनस ईद-उल-फितर से पहले मिलेगा, जबकि बाकी कर्मचारियों को 15-19 सितंबर के बीच बोनस दिया जाएगा। इसके अलावा पेंशनभोगियों को 3,500 रुपये की अनुग्रह राशि मिलेगी। इस साल बोनस राशि में भी वृद्धि की गई है। मार्च तक जिन कर्मचारियों का मासिक वेतन 44,000 रुपये या उससे कम है, उन्हें 6,800 रुपये का तदर्थ बोनस मिलेगा। पिछले साल ये राशि 6,000 रुपये थी और तब कर्मचारियों के वेतन की ऊपरी सीमा 42,000 रुपये थी। ममता सरकार ने इस साल त्यौहारों के मौके पर अग्रिम राशि में भी बढ़ोतरी की है। जिन कर्मचारियों का मासिक वेतन 44,000 से 52,000 रुपये के बीच है उन्हें इस साल त्यौहार अग्रिम के रूप में 20,000 रुपये मिलेगा। पिछले साल ये राशि 50,000 रुपये तक के वेतन वाले कर्मचारियों के लिए थी।

दिल्ली चुनाव परिणाम ने साबित कर दिया ईश्वर के घर देर है, अंधेर नहीं

-फिल्म निर्माता और निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने रखी अपनी राय

मुंबई (एजेंसी)। फिल्म निर्माता और निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री बॉलीवुड के जाने माने डायरेक्टर्स हैं, जो अपने काम के अलावा अपनी बेबाक टिप्पणियों को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। हाल ही में उन्होंने दिल्ली विधानसभा चुनाव के परिणाम और राजनीति पर अपनी राय दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव का परिणाम यह साबित करता है कि ईश्वर के घर देर है, अंधेर नहीं।

विवेक रंजन अग्निहोत्री ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के परिणाम को लेकर कहा कि दिल्ली में बीजेपी का आना अच्छा संकेत है क्योंकि देश में बदलाव की जरुरत है। उनका मानना है कि सरकारें बदलनी चाहिए और नई पार्टियों को अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने विधानसभा में उठाए गए कश्मीर में हिंदुओं पर हुए अत्याचार के मजाक पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि यह जो मजाक कश्मीर में हिंदुओं पर हुए अत्याचार का उड़ाया गया था, वो किसी और जगह नहीं, बल्कि

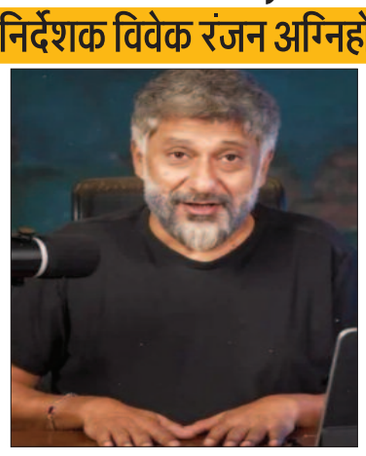

दिल्ली विधानसभा में खड़े होकर किया गया। अग्निहोत्री ने यह भी कहा कि इन लोगों को मिली सजा 'मां शारदा और भोलेनाथ' की तरफ से थी। उन्होंने विश्वास जताया कि भगवान के घर में देर हो सकती है, लेकिन अंधेर नहीं।

बता दें, विवेक रंजन अग्निहोत्री की यह बात दिल्ली विधानसभा में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा द कश्मीर फाइल्स फिल्म को लेकर किए गए बयान से जुड़ी थी। 2022 में, जब दिल्ली में इस फिल्म को टैक्स फ्री करने की मांग उठी थी, तब अरविंद केजरीवाल ने इसे एक झूठी फिल्म बताया था और विधानसभा में मजाक उड़ाया था। केजरीवाल का कहना था कि यदि यह फिल्म लोगों को दिखानी ही है, तो उसे यूट्यूब पर अपलोड कर दिया जाए, ताकि सभी लोग उसे देख सकें।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के परिणाम के बाद, विवेक रंजन अग्निहोत्री ने सोशल मीडिया पर एक व्यंग्यात्मक पोस्ट शेयर किया था। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा था, हर सवाल का जवाब यहीं होगा। हर हिसाब-किताब यहीं होगा। इसके साथ ही उन्होंने दिल्ली विधानसभा की एक पुरानी तस्वीर भी शेयर की, जिसमें अरविंद केजरीवाल खड़े थे। यह पोस्ट वायरल हुआ और इसे राजनीति के संदर्भ में एक तीखा कमेंट माना गया।

नागपुर हिंसा पर पप्पू यादव ने कहा- बजरंग दल और वीएचपी 'दंगाई', इनकी जगह जेल में...!

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नागपुर में औरंगजेब की कब्र को लेकर उठे विवाद के बाद भड़की हिंसा पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने इन संगठनों को 'दंगाई' करार देते हुए कहा कि इनकी जगह या तो जेल में होनी चाहिए या श्मशान में।

गौरतलब है कि नागपुर में सोमवार को औरंगजेब की कब्र को लेकर उपजे विवाद के बाद हिंसा भड़क गई थी। हालात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस आयुक्त रविंद्र सिंघल के नेतृत्व में मंगलवार को रूट मार्च निकाला गया। पुलिस ने हिंसा की जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाया जा रहा है कि दंगा कैसे शुरू हुआ और किन तत्वों ने इसे भड़काया। प्रशासन ने तीन किलोमीटर के दायरे में कर्फ्यू लगाया हुआ है।

ऐसे में सांसद पप्पू यादव ने एक बातचीत के दौरान कहा, कि बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद दंगाई हैं। ये संविधान

विरोधी, देश विरोधी, इंसान विरोधी और मानवता विरोधी हैं। इन संगठनों पर आजीवन प्रतिबंध लगना चाहिए। जो संविधान से ऊपर हो जाए और गीता, कुरान, बाइबिल के आध्यात्मिक और उदारवादी मूल्यों के खिलाफ काम करे, उन लोगों की जगह या तो जेल में होनी चाहिए या श्मशान में। पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि इन संगठनों को सरकार से संरक्षण मिलता है, जबकि संविधान के खिलाफ काम करने वालों पर सरकार को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

सपा सांसद राम गोपाल यादव ने दी प्रतिक्रिया

इस बीच समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि अगर बजरंग दल और वीएचपी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है, तो यह कानून के तहत लिया गया उचित कदम है। उन्होंने कहा, जो लोग दंगे कराएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। अगर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है, तो सरकार निष्पक्ष रूप से काम कर रही है।

राम जन्मभूमि परिसर में बन रहे 14 और मंदिरों में मूर्ति की स्थापना 30 अप्रैल को

-पहले फ्लोर पर राम दरबार की स्थापना के लिए सिंहासन बनकर तैयार

अयोध्या (एजेंसी)। प्रभु राम की नगरी अयोध्या में रामनवमी से पहले राम मंदिर ट्रस्ट ने भव्य राम मंदिर की 8 नई तस्वीरें जारी की हैं। इसमें पहले फ्लोर पर राम दरबार की स्थापना के लिए सफेद संगमरमर का सिंहासन बनकर तैयार है। ग्राउंड फ्लोर की ही तरह पहले फ्लोर पर सिंहासन बनाया गया है। गर्भगृह में भव्य नक्काशी की गई है। सामने मंडपम बनाया गया है। इसके खंभों में भी नक्काशी की गई है, जोकि जयपुर के पिंक सैंड स्टोन से बना है। राम जन्मभूमि परिसर में राम मंदिर के अलावा 14 और मंदिर बन रहे हैं। इसमें मूर्तियों की स्थापना के लिए अभी शुभ तिथि 30 अप्रैल (अक्षय तृतीया) और प्राण प्रतिष्ठा 5 जून (गंगा दशहरा) को तय हुई है। हालांकि, ट्रस्ट की ओर से इसपर मुहर लगना अभी बाकी है।

30 अप्रैल से पहले मूर्तियां जयपुर से आ जाएंगी

राम दरबार की सभी मूर्तियां जयपुर में तैयार हो रही हैं। 30 अप्रैल से पहले सभी मूर्तियां यहां पहुंच जाएंगी। राम मंदिर के पहले फ्लोर पर राम दरबार की स्थापना होनी है, जबकि परकोटे में 6 मंदिर बन रहे हैं। इसमें भगवान सूर्य, गणेश, हनुमान, शिव, माता भगवती और माता अन्नपूर्णा की मूर्ति स्थापित होंगी। इसके अलावा, सप्त मंडपम में 7 मंदिर बन रहे हैं। इसमें महर्षि वाल्मीकि, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, महर्षि वशिष्ठ, निषादराज, अहिल्या और शबरी की मूर्ति स्थापित होंगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने ज्योतिषाचार्यों के साथ मूर्तियों की स्थापना, प्राण प्रतिष्ठा के मुहूर्त और तिथि पर कारसेवक पुरम में बैठक की। ज्योतिषाचार्यों के साथ ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और निर्माण प्रभारी गोपाल राव भी रहे। अभी तय हुआ कि मूर्तियों की स्थापना के लिए अक्षय तृतीया (30 अप्रैल) और प्राण प्रतिष्ठा के लिए गंगा दशहरा (5 जून) की तिथि सबसे अच्छी है। प्राण प्रतिष्ठा के शुभ मुहूर्त को लेकर ट्रस्ट अंतिम मुहर लगाएगा।

भारत की इन जगहों पर देखने को मिलेगा इंग्लैंड-स्विटजरलैंड जैसा नजारा, यादगार बनेगी ट्रिप

अधिकतर लोगों का विदेश घूमने का सपना होता है। लेकिन कई बार बजट के कारण लोग विदेश घूमने नहीं जाते हैं। वहीं भारत की खूबसूरती की तुलना कई विदेशी जगहों से की जाती हैं। यहां की जगहें न सिर्फ विदेशी स्थानों जैसी दिखे हैं, बल्कि वहां की समानता का भी अनुभव किया जा सकता है। ऐसे में आप भारत की इन जगहों पर घूमकर विदेशी खूबसूरती का लुत्फ उठा सकते हैं। भारत की इन जगहों पर घूमना न सिर्फ आपकी यात्रा को यादगार बनाएगा बल्कि प्रकृति की अनमोल विरासत से भी जोड़ेंगे। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको भारत की उन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनकी तुलना दुनिया के फेमस स्थलों से की जाती है।

श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर के दृश्य बेहद खूबसूरत और शानदार होते हैं। श्रीनगर में शिकारा राइड, डल झील और ट्यूलिप फूलों के बगीचे का नजारा बिलकुल विदेशों जैसा है। श्रीनगर में डल झील के किनारे खिले हुए ट्यूलिप फूलों का बगीचा और आसपास का शांत वातावरण आपका मन मोह लेगा। यहां के नजारे आपको नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम की याद दिलाएंगे। यहां पर एशिया का सबसे बड़ा ट्यूलिप गार्डन है। श्रीनगर के इस गार्डन को इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्यूलिप गार्डन कहते हैं।

गुलमर्ग, जम्मू-कश्मीर

जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग को भारत का स्विटजरलैंड कहा जाता है। यहां पर आपको बर्फ से ढके पहाड़, स्कीइंग रिसॉर्ट्स और खूबसूरत घास के मैदान देखने को मिलेंगे। यहां पर गोंडोला राइड और विंटर स्पोर्ट्स पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है।

फूलों की घाटी, उत्तराखंड

उत्तराखंड की वैली ऑफ फ्लावर्स में मानसून के समय हजारों रंग-बिरंगे फूल खिलते हैं। आपको यहां का दृश्य अमेरिका के कैलिफोर्निया में मौजूद एंटीलोप वैली से बिलकुल मेल खाता है। यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत है। यहां पर फोटोग्राफी के शौकीन लोगों की भारी भीड़ देखने को मिलती है।

थार मरुस्थल, राजस्थान

बता दें कि राजस्थान का थार मरुस्थल आपको यकीनन सहारा मरुस्थल की याद दिलाएंगा। यहां पर आपको रेत के टीलों, ऊंट की सवारी और रेगिस्तानी संस्कृति देखने को मिलेगी। जो आपको सहारा का अनुभव होगा। यहां पर जैसलमेर और सम सैंड ड्यून्स प्रमुख आकर्षण हैं।

धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण शहर है अमृतसर

जालियांवाला बाग अमृतसर का एक ऐतिहासिक स्थल है, जो 13 अप्रैल 1919 को हुए नरसंहार के लिए प्रसिद्ध है। यह स्थल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महत्वपूर्ण भाग का प्रतीक है। यहाँ एक स्मारक और जल स्त्रोत है, जो उस भयावह घटना की याद दिलाता है।

अमृतसर, पंजाब राज्य का एक प्रमुख शहर, धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। यह शहर न केवल भारतीय संस्कृति का प्रतीक है, बल्कि दुनिया भर के पर्यटकों के लिए भी एक प्रमुख पर्यटन स्थल बन चुका है। यहाँ की शांतिपूर्ण वातावरण और समृद्ध इतिहास, पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। आइए जानते हैं अमृतसर पर्यटन के कुछ प्रमुख आकर्षणों के बारे में।

स्वर्ण मंदिर

अमृतसर का सबसे प्रमुख और प्रसिद्ध स्थल है स्वर्ण मंदिर, जिसे हरमंदिर साहिब भी कहा जाता है। यह सिख धर्म का पवित्र स्थल है और दुनियाभर से लाखों श्रद्धालु यहाँ आते हैं। मंदिर का गोल्डन गेट और उसकी खूबसूरत वास्तुकला देखने योग्य हैं। स्वर्ण मंदिर के चारों ओर स्थित अमृत सरोवर की शांति और सौंदर्य पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। यहाँ की आध्यात्मिक शांति और वातावरण लोगों को एक अलग अनुभव प्रदान करते हैं।

जालियांवाला बाग

जालियांवाला बाग अमृतसर का एक ऐतिहासिक स्थल है, जो 13 अप्रैल 1919 को हुए नरसंहार के लिए प्रसिद्ध है। यह स्थल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महत्वपूर्ण भाग का प्रतीक है। यहाँ एक स्मारक और जल स्त्रोत है, जो उस भयावह घटना की याद दिलाता है। जालियांवाला बाग पर जाकर लोग भारतीय इतिहास को जानने और उसकी महता को महसूस करने के लिए आते हैं।

गोल्डन एस्टेट और ज्यूक डिलीवरी

अमृतसर में सिख धर्म और पंजाबी संस्कृति के प्रतीक के रूप में गोल्डन एस्टेट और ज्यूक डिलीवरी संग्रहालय भी प्रमुख पर्यटन स्थल हैं। यहाँ सिख धर्म की धरोहर, इतिहास, और उनके संघर्षों को प्रदर्शित किया गया है।

दुरगियाना मंदिर

यह मंदिर अमृतसर का एक और प्रमुख धार्मिक स्थल है जो स्वर्ण मंदिर के समान दिखता है। यह मंदिर देवी दुर्गा को समर्पित है और यहाँ लोग धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए आते हैं। मंदिर के पास ही एक बड़ा सरोवर भी स्थित है, जो इस स्थल की सुंदरता को बढ़ाता है।

काली मंजीर

अमृतसर में स्थित काली मंजीर भी एक प्रमुख धार्मिक स्थल है। यह मंदिर काली माता को समर्पित है। यहाँ भक्तों की भारी भीड़ लगी रहती है, विशेष रूप से नवरात्रि और अन्य हिन्दू त्योहारों के दौरान।

अमृतसर का बाजार और संस्कृति

अमृतसर के बाजार भी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। यहाँ के बाजार, जैसे कि केसरिया बाजार और जोड़ा फाटक बाजार, लोक कला और हस्तशिल्प के अद्भुत सामानों से भरे हुए हैं। यहाँ से पर्यटक पंजाबी पारंपरिक वस्त्र, जूतियां, चूड़ियां, और अन्य हस्तनिर्मित सामान खरीद सकते हैं। अमृतसर की सांस्कृतिक धरोहर यहाँ के विभिन्न मेलों, त्योहारों और नृत्य-गानों में भी देखने को मिलती है।

भठिंडा और गग्गा महल

अमृतसर के पास स्थित भठिंडा और गग्गा महल भी ऐतिहासिक महत्व रखते हैं। भठिंडा किला एक ऐतिहासिक किला है, जो प्राचीन समय में एक महत्वपूर्ण स्थान था। वहीं गग्गा महल में एक शांतिपूर्ण वातावरण मिलता है और यहां के सुंदर दृश्य पर्यटकों के लिए एक अच्छा अनुभव होते हैं।

अमृतसर, अपनी धार्मिक और ऐतिहासिक धरोहर के साथ-साथ अपने सांस्कृतिक त्योहारों और मेहमाननवाजी के लिए प्रसिद्ध है। स्वर्ण मंदिर, जालियांवाला बाग, वाघा बॉर्डर और अन्य पर्यटन स्थलों ने इसे एक प्रमुख यात्रा स्थल बना दिया है। यहाँ आने वाले पर्यटकों को न केवल भारतीय संस्कृति का गहरा अनुभव मिलता है, बल्कि एक अद्वितीय आध्यात्मिक अनुभव भी होता है। अगर आप भारत के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक वैभव को महसूस करना चाहते हैं, तो अमृतसर की यात्रा निश्चित रूप से आपके यात्रा सूची में होनी चाहिए।

वाघा बॉर्डर

अमृतसर से लगभग 28 किलोमीटर की दूरी पर स्थित वाघा बॉर्डर भारत और पाकिस्तान के बीच का सीमाबंध है। यहाँ हर शाम भारतीय और पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा बीटिंग रिट्रीट नामक एक शानदार समारोह आयोजित किया जाता है। यह उत्सव एक जीवंत, रंगीन और जोशपूर्ण अनुभव है, जिसमें दोनों देशों के नागरिकों की एकजुटता और सम्मान की भावना दिखाई देती है। वाघा बॉर्डर का दौरा करने के लिए पर्यटकों का तांता लगा रहता है।

दक्षिण भारत की टॉप रोमांटिक जगहों पर बनाएं घूमने का प्लान

जब देश में थोड़ी-थोड़ी ठंड कम पड़ने लगती है। जब ठंड कम पड़ती है, तो घूमने का मजा दोगुना हो जाता है। वहीं यह महीना साल का सबसे रोमांटिक महीना भी माना जाता है। क्योंकि फरवरी महीने में भी वैलेंटाइन डे वीक मनाया जाता है। इस दौरान दक्षिण भारत में कई कपल्स घूमने का प्लान बनाते हैं। दक्षिण भारत हमारे देश का एक हिस्सा है। जहां पर फरवरी महीने में कम ठंडक पड़ती है। फरवरी महीने में दक्षिण भारत का मौसम भी एकदम रोमांटिक रहता है। इसलिए इस महीने में दक्षिण भारत में हर दिन हजारों की संख्या में लोग घूमने के लिए आते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दक्षिण भारत की कुछ हसीन और टॉप रोमांटिक जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

अल्लेप्पी

दक्षिण भारत में स्थित सबसे खूबसूरत और रोमांटिक जगह में अल्लेप्पी का नाम सबसे पहले आता है। यह सिर्फ केरल का ही नहीं बल्कि पूरे भारत का एक खूबसूरत हॉलिडे डेस्टिनेशन माना जाता है।

अरब सागर के तट पर स्थित अल्लेप्पी अपने खूबसूरत समुद्री तट, लैगून और बैक वाटर के लिए जाना जाता है। अल्लेप्पी को दक्षिण भारत की टॉप हनीमून डेस्टिनेशन माना जाता है। ऐसे में आप अपने पार्टनर के साथ अल्लेप्पी घूमने के लिए जा सकते हैं।

कोडईकनाल

दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु में स्थित कोडईकनाल देश का सबसे खूबसूरत और बेहतरीन हनीमून डेस्टिनेशन में से एक है। यह पार्टनर के साथ घूमने के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन है। कोडईकनाल अपनी प्रकृति सुंदरता के लिए जाना जाता है। यहां पर आपको खूबसूरत झील-झरने, बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और खूबसूरत घाटियां देखने को मिलेंगी। यहां पर आप अपने पार्टनर के साथ हसीन शाम गुजार सकते हैं और एडवेंचर एक्टिविटी का भी लुत्फ उठा सकते हैं। कोडईकनाल में आप कोडईकनाल झील, कोकर्स वॉक और डॉलफिन नोज पॉइंट जैसी रोमांटिक जगहों पर जरूर जाएं।

कूर्ग

अगर आप अपने पार्टनर के साथ फरवरी के महीने में कर्नाटक की किसी रोमांटिक जगह पर जाना चाहते हैं, तो आपको कुर्ग जाना चाहिए। क्योंकि कुर्ग में सिर्फ भारतीय कपल्स ही नहीं बल्कि विदेशी कपल्स भी घूमने के लिए आते हैं। कुर्ग की खूबसूरती इस तरह प्रचलित है कि इसको दक्षिण भारत का स्कॉटलैंड भी कहा जाता है। आपको कुर्ग में कई होटल और रिसॉर्ट ऐसे होते हैं, जहां पर आप रूम बुक करके हसीन शाम बिता सकते हैं। आप यहां पर अपने पार्टनर के साथ एबी फॉल्स, ब्रह्मगिरी शिखर, चेट्टाल्ली, दुबारे हाथी शिवर और राजा की सीट जैसी रोमांटिक जगहों को एकसप्लोर कर सकते हैं।

पुडुचेरी

दक्षिण भारत में स्थित पुडुचेरी एक केंद्र शासित प्रदेश है। इस देश को एक बेहद खूबसूरत और रोमांटिक डेस्टिनेशन भी माना जाता है। बंगाल की खाड़ी के कोरोमंडल तट पर स्थित पुडुचेरी को हनीमून डेस्टिनेशन के रूप में भी जाना जाता है। यहां पर सिर्फ फरवरी महीने में बल्कि साल के अन्य महीनों में भी कपल्स घूमने के लिए आते हैं। पुडुचेरी में आप पार्टनर के साथ सुबह-शाम समुद्र तट के किनारे सुकून और यादगार भरे कुछ पल बिता सकते हैं। यहां पर आप अपने पार्टनर के साथ पैराडाइज बीच, बॉटनिकल गार्डन और प्रोमेनेड बीच जैसी रोमांटिक जगहों पर जाना न भूलें।

छत्तीसगढ़ का छिपा हुआ खजाना माना जाता है औरापानी

छत्तीसगढ़ भारत का एक खूबसूरत और प्रमुख राज्य है। साल 2000 में इस राज्य का गठन हुआ था। साथ ही यह देश का 10वां सबसे बड़ा राज्य माना जाता है। छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा भी कहा जाता है। यह राज्य विशान घने जंगलों के लिए भी जाना जाता है। यह राज्य अपनी प्राकृतिक विविधता के लिए भी जाना जाता है। छत्तीसगढ़ में ऐसी कई शानदार और मनमोहक जगहें मौजूद हैं। यहां पर हर दिन दर्जन से अधिक पर्यटक घूमने के लिए आते हैं।

छत्तीसगढ़ में स्थित औरापानी भी ऐसी ही एक अद्भुत जगह है। जो कहीं से भी हिमाचल या उत्तराखंड से कम नहीं मानी जाती है। औरापानी की खूबसूरती को देखने के लिए देश के हर कोने से लोग पहुंचते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको औरापानी में मौजूद कुछ शानदार और बेहतरीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अपने पार्टनर के साथ घूमने के लिए जा सकते हैं।

कहां है औरापानी

औरापानी छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में मौजूद है। यह मुख्य शहर के करीब 45 किमी की दूरी पर स्थित है। औरापानी छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश की सीमा के पास में स्थित है। वहीं औरापानी छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर 170 किमी दूर स्थित है। इसके साथ ही औरापानी छत्तीसगढ़ के रतनपुर से करीब 91 किमी, मध्य प्रदेश के अमरकंटक से करीब 90 किमी और पंडरिया से करीब 51 किमी दूर स्थित है।

औरापानी की खासियत

बता दें कि औरापानी को सिर्फ बिलासपुर ही नहीं बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ का छिपा खजाना माना जाता है। घने जंगलों के बीच स्थित औरापानी बेहद मनमोहक और खूबसूरत दृश्यों के लिए जाना जाता है।

यह जगह अपनी खूबसूरती के साथ सुहावने मौसम के लिए भी जाना जाता है। यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग माना जाता है। वहीं मानसून और सर्दी के मौसम में औरापानी की खूबसूरती अपने चरम पर होती है।

सैलानियों के लिए खास है ये जगह

छत्तीसगढ़ में स्थित औरापानी पर्यटकों का वह खजाना है, जहां पर घूमने के लिए लोग हिमाचल और उत्तराखंड को भूल जाएंगे। यहां पर सिर्फ छत्तीसगढ़ के ही नहीं बल्कि अन्य जगहों से भी पर्यटक आते हैं। यहां का शांत और शुद्ध वातावरण के साथ झील और झरनों के लिए भी जाना जाता है। औरापानी के जंगलों में स्थित झील और वॉटरफॉल सैलानियों को सबसे ज्यादा आकर्षित करते हैं।

एडवेंचर का है खजाना

औरापानी अपनी खूबसूरती के साथ एडवेंचर का खजाना माना जाता है। यहां पर सुकून के कुछ पल बिताने के साथ आप एडवेंचर एक्टिविटी करने

भी पहुंच सकते हैं। औरापानी को हाईकिंग, ट्रैकिंग और कैंपिग के लिए बेस्ट पर्यटन केंद्र माना जाता है। सर्दी और मानसून में यहां पर हर दिन दर्जनों की संख्या में पर्यटक एडवेंचर एक्टिविटी का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। इसके अलावा आप यहां पर फोटोग्राफी भी कर सकते हैं।

घूमने की बेस्ट जगहें

बता दें कि औरापानी और इसके आसपास कई ऐसी शानदार और हसीन जगहें हैं, जहां पर आप घूमने के लिए जा सकते हैं। आप औरापानी झील के साथ औरापानी वॉटरफॉल जैसी बेहतरीन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। औरापानी में झील और वॉटरफॉल एक्सप्लोर करने के बाद आप अचानकमार अभयारण्य और अमरकंटक हिल्स जैसी शानदार जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
फ्यूचर लाइन टाईम्स

नयनतारा ने अपने किरदार को लेकर किया खुलासा

साउथ अभिनेत्री नयनतारा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म टेस्ट को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने अब अपनी नेटफ्लिक्स फिल्म टेस्ट में अपने किरदार कुमुधा को पेश किया है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म का टीजर भी जारी किया। नयनतारा ने कुमुधा का किरदार निभाया है, जो एक दृढ़ महिला है, जो एक साधारण जीवन, प्यार से भरा जीवन, एक छोटा सा घर, एक समर्पित पति और एक बच्चे का सपना देखती है। फिल्म में कुमुधा की यात्रा प्रेम और त्याग की कहानी है, जो शक्ति और त्याग से भरी है। चुनौतियों के बावजूद, वह कभी भी अपने सपनों की जिंदगी जीने से पीछे नहीं हटती। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए नयनतारा ने टीजर के साथ कैप्शन में लिखा, कुमुधा की ताकत उसके सपनों की सादगी में है- एक घर, एक परिवार और स्थायी प्रेम, लेकिन जीवन उसे ऐसे तरीकों से परखता है,जिसकी उसने कभी उम्मीद नहीं की थी और उसे उन चीजों के लिए लड़ने के लिए प्रेरित करता है, जो वास्तव में मायने रखती हैं।

इसके अलावा नयनतारा ने अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह दर्शकों को टेस्ट में कुमुधा की यात्रा दिखाने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, उनकी यात्रा को पेश करना अत्यंत मार्मिक था और मैं आशा करती हूं कि दर्शक उनकी हर भावना को महसूस करेंगे। टेस्ट प्रेम, तयाग और अटूट आशा की कहानी है। मैं नेटफ्लिक्स पर सभी को इसका अनुभव देने के लिए इंतजार नहीं कर सकती।

वहीं, जारी हुए टीजर की बात करें तो अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर नयनतारा ने टीजर शेयर किया करते हुए लिखा, इस टीचर के लिए असफलता कोई विकल्प नहीं है। कुमुधा अपनी सबसे चुनौतीपूर्ण परीक्षा का सामना करने वाली है।

शशांक खेतान के निर्देशन में बनी रही फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी वरुण धवन और जान्हवी कपूर ने अदाकारी की है। यह फिल्म इस साल की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म को आखिरकार रिलीज की तारीख मिल गई है। होली के कुछ दिनों बाद, निर्माताओं ने रोमांटिक ड्रामा की रिलीज की तारीख का ऐलान किया है। यह फिल्म 12 सितंबर, 2025 को बड़े पर्दे पर आएगी।

इस तारीख को रिलीज होगी

जाह्नवी और वरुण की फिल्म शूटिंग हुई पूरी

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी शशांक खेतान की पिछली फिल्मों जैसे हम्टी शर्मा की दुल्हनिया और इसके सीक्वल बद्रीनाथ की दुल्हनिया की तर्ज पर एक रोमांटिक ड्रामा होगी। इससे पहले, जब टीम ने वरुण धवन और जान्हवी कपूर अभिनीत एक रोमांटिक फिल्म का ऐलान किया था, तो अटकलें लगाई जा रही थीं कि अभिनेत्री आलिया भट्ट की जगह लेंगी। हालांकि, बाद में यह साफ किया गया कि यह फिल्म उस फ्रैंचाइज का हिस्सा नहीं है।

पूरी हो चुकी है फिल्म की शूटिंग

टीम ने पिछले साल सितंबर में उदयपुर में शूटिंग पूरी की थी। रिपोर्ट्स बताती हैं कि निर्माताओं ने पूरी शूटिंग पूरी कर ली है, और फिल्म अभी पोस्ट-प्रोडक्शन में है। सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का लेखन और निर्देशन शशांक खेतान ने किया है। फिल्म में वरुण धवन और जान्हवी कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं, साथ ही सान्या मल्होत्रा, रोहित सराफ, मनीष पॉल और अक्षय ओबेरॉय भी हैं।

वरुण धवन का काम

काम के मोर्चे पर, वरुण के पास कई काम हैं। वरुण हाल ही में बेबी जॉन में देखा गया था, बॉर्डर 2 में सनी देओल और दिलजीत दोसांझ के साथ सह-कलाकार हैं। वह अपने पिता डेविड धवन की अभी तक बिना शीर्षक वाली मनोरंजक फिल्म की शूटिंग के लिए भी तैयार हैं।

जाह्नवी कपूर का काम

जान्हवी कपूर के पास भी तीन फिल्में हैं। वह जूनियर एनटीआर-स्टारर की अगली कड़ी में एक गांव की लड़की के रूप में वापसी करेंगी। इसके अलावा, वह परम सुंदरी में सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ नजर आएंगी। इस बीच, जान्हवी ने राम चरण के साथ अपनी दूसरी तेलुगु फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है।

जॉन की ख्वाहिश अक्षय कुमार संग फिर से करें कॉमेडी फिल्म

हाल ही में एक इंटरव्यू में जॉन अब्राहम ने बताया कि वह अपने दोस्त अक्षय कुमार के साथ एक बार फिर से कॉमेडी फिल्म में काम करना चाहते हैं। इन दोनों कलाकारों ने पहले भी 'गरम मसाला', 'देसी बॉयज' और 'हाउसफुल 2' जैसी कॉमेडी फिल्मों में साथ अभिनय किया है। सभी फिल्मों को दर्शकों ने भी सराहा है।

जॉन को मजेदार कॉमेडी स्क्रिप्ट की तलाश

जॉन अब्राहम कहते हैं, 'मैं कुछ मजेदार काम करना चाहता हूं। मैं दर्शकों को हंसाना चाहता हूं, उनका भरपूर मनोरंजन करना चाहता हूं। जैसे फिल्म गरम मसाला थी, यह कॉमेडी फिल्म मेरे लिए बड़ी खास रही। यही कारण है कि मैं एक खास स्क्रिप्ट की तलाश में हूं, जिसमें मजेदार काम करने को मिले। साथ ही अक्षय कुमार से भी मेरी बातचीत चल रही है। हम लंबे वक्त से फिर से साथ काम करना चाहते हैं। हम एक-दूसरे से काफी इंस्पायर हैं। मैं जल्द ही अक्षय कुमार के साथ फिर से फिल्म करने का बहाना तलाश कर रहा हूं।' जॉन अब्राहम आगे कहते हैं, ' फिल्म 'द डिप्लोमैट' के निर्देशक शिवम नायर को मैंने कॉमेडी फिल्म लिखने को कहा है। वह काफी मजाकिया आदमी हैं। मैंने शिवम को कहा है कि ऐसी फिल्म बनाते हैं, जिसे देखकर दर्शक हंसते पड़े, लोट-पोट हो जाएं। जॉन अब्राहम की हालिया रिलीज 'डिप्लोमैट' को दर्शकों ने पसंद किया है। इस फिल्म में उन्होंने राजनयिक जेपी सिंह की भूमिका निभाई है। फिल्म की कहानी एक भारतीय महिला को पाकिस्तान से बाहर निकालने और बचाने की है।

फिल्म के लिए सीखी पहलवानी के सारे दांव-पेंच सीरीज में काम आए

एक्ट्रेस अदिति पोहनकर ने आमिर खान की फिल्म 'दंगल' के लिए पहले ऑडिशन दिया था, लेकिन इस फिल्म के लिए वो रिजेक्ट हो गई थीं। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू के दौरान इस बात का खुलासा किया कि 'दंगल' के लिए उन्होंने जो तैयारियां की थीं वह वेब सीरीज आश्रम के समय काम आया। 'दंगल' महावीर सिंह फोगाट और उनकी बेटियों, गीता फोगाट और बबिता फोगाट की कहानी पर आधारित थी। इस फिल्म के लिए ऑडिशन देने से पहले अदिति पोहनकर पहलवानी सिख रही थी। हरियाणवी बोली के साथ-साथ पहलवानी के सारे दांव-पेंच आजमा रही थीं, लेकिन इस फिल्म में काम करने से चूक गईं। अदिति पोहनकर ने बताया- भले ही मैं 'दंगल' के लिए रिजेक्ट हो गई, लेकिन उस समय मैंने जो कुछ भी सीखा था। वह आश्रम में काम आया। इस सीरीज में पम्मी पहलवान के किरदार के लिए फिर मुझे ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी। जब भी कोई कुछ सीखता है, तो वह कहीं ना कहीं भविष्य में काम आता है। अदिति पोहनकर ने अपने करियर की शुरुआत 2010 में रिलीज फिल्म 'लव सेक्स और धोखा' से की थी, लेकिन सही मायने में उनकी उन्हें पहचान वेब सीरीज आश्रम से मिली। इस सीरीज का तीसरा पार्ट भी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम हो चुका है। जिसमें अदिति के परफॉर्मेंस को काफी सराहा जा रहा है।

शूटिंग के दौरान बेरुखा रवैया दिखाने पर इमरान हाशमी पर भड़का पाकिस्तानी अभिनेता

बॉलीवुड की कई फिल्मों में नजर आ चुके पाकिस्तानी अभिनेता जावेद शेख ने अभिनेता इमरान हाशमी के साथ अपने काम करने के अनुभवों को साझा किया है। जावेद शेख का कहना है कि इमरान हाशमी के साथ उनके अनुभव अच्छे नहीं रहे और इमरान हाशमी ने फिल्म के सेट पर उनसे अच्छे से व्यवहार नहीं किया।

एंटरटेनमेंट के एक यूट्यूब वीडियो में जावेद शेख ने 2008 में आई इमरान हाशमी की फिल्म 'जन्नत' के दौरान के अपने अनुभव और इमरान हाशमी के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि इमरान हाशमी के साथ उनका शूटिंग करने का अनुभव अच्छा नहीं रहा। जावेद शेख ने कहा, फिल्म के निर्माता महेश भट्ट थे और उन्होंने फिल्म का निर्देशन करने के लिए एक नए निर्देशक कुणाल को शामिल किया था। जब मैंने फिल्म साइन की तो उन्होंने मुझे फिल्म की पूरी कहानी और सब कुछ समझाया था। हालांकि, मुझे तब तक इमरान हाशमी से मिलने का मौका नहीं मिला था।

कार्तिक की लव आज कल की असफलता पर इम्तियाज ने की खुलकर बात

इम्तियाज अली की फिल्म लव आज कल (2009) में सैफ अली खान और दीपिका पादुकोण की जोड़ी नजर आई थी। इस फिल्म ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। इसके बाद 2020 में इम्तियाज ने इसी नाम से जब एक और फिल्म बनाई तो यह बुरी तरह नाकाम रही। सीक्वल फइल्म में सारा अली खान और कार्तिक आर्यन लीड रोल में थे। हाल ही में इम्तियाज ने इस फिल्म की असफलता पर खुलकर बात की और जिम्मेदारी खुद पर ली।

इम्तियाज ने बताई फिल्म के न चलने की वजह: यूट्यूब चैनल गेम चेंजर्स पर बात करते हुए इम्तियाज ने कहा कि लव आज कल 2 में उन्होंने कई गलतियां कीं।

उन्होंने कहा, मैंने फिल्म में बहुत कुछ डालने की कोशिश की, जिससे यह भारी हो गई। फिल्म की सहजता खो गई। यह इतनी जटिल हो गई कि लोग समझ ही नहीं पाए कि क्या हो रहा है।

कास्टिंग का किया बचाव: फिल्म की नाकामी के बाद सारा अली खान को उनके अभिनय के लिए आलोचना झेलनी पड़ी थी। सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल भी किया गया था।

इस बातचीत में इम्तियाज ने साफ कहा कि असफलता का कारण कास्टिंग नहीं थी। उन्होंने कहा, यह कास्टिंग की वजह से नहीं हुआ। सीक्वल बनाते वक्त एक मजबूत वजह होनी चाहिए। मेरे पास वजह थी, लेकिन मैं उसे ठीक से बता नहीं पाया। फिल्म की पब्लिसिटी में भी यह बात सामने नहीं आई।

क्या अब भविष्य में सीक्वल नहीं बनाएंगे?: जब उनसे पूछा गया कि क्या लव आज कल 2 की नाकामी ने उन्हें सीक्वल बनाने से डरा दिया? इस पर इम्तियाज ने जवाब दिया, हां, कुछ हद तक। मेरे पास लव आज कल 2 के लिए नई कहानी थी फिर भी फिल्म नहीं चली।

तो जब तक बहुत जरूरी न हो मैं सीक्वल नहीं बनाना चाहता। लेकिन कभी न कहो कभी- रॉकस्टार 2 बनाना अच्छा हो सकता है। इम्तियाज ने यह भी साफ किया कि वे भविष्य में जरूरत पड़ने पर सीक्वल पर विचार कर सकते हैं।

द पैराडाइज में खलनायक बनेगा यह दिग्गज अभिनेता

नानी अपने करियर के शिखर पर हैं। उन्होंने लगातार हिट फिल्में दी हैं। वर्तमान में वह एक नहीं, बल्कि दो बहुप्रतीक्षित फिल्मों हिट 3 और द पैराडाइज के लिए तैयार हैं। हाल ही में नानी की एक्शन ड्रामा द पैराडाइज की पहली झलक जारी हुई थी, जिसने काफी चर्चा बटोरी है। इस एक्शन से भरपूर ड्रामा का निर्देशन श्रीकांत ओडेला ने किया है, जिन्होंने पिछली बार नानी के साथ ब्लॉकबस्टर फिल्म दशहरा में काम किया था। अब यह जोड़ी एक बार फिर हिट फिल्म देने की कोशिश कर रही है।

मोहन बाबू होंगे खलनायक

कुछ दिनों पहले द पैराडाइज का टीजर रिलीज किया गया था। वहीं, अब इस फिल्म के एक और कलाकार की एंट्री की खबर सामने आ रही है, जो फिल्म में खलनायक की भूमिका निभाएंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, साउथ सिनेमा के दिग्गज अभिनेता मोहन बाबू फिल्म में मुख्य खलनायक की भूमिका निभाएंगे।

मोहन बाबू वर्सेज नानी की कहानी

प्रोडक्शन टीम से जुड़े सूत्र का कहना है कि मोहन बाबू मुख्य प्रतिपक्षी की भूमिका निभाएंगे। यह खबर विशेष रूप से खास है, क्योंकि मोहन बाबू ने तेलुगु फिल्मों में अपनी उपस्थिति काफी कम कर दी है, ज्यादातर अपने बेटों द्वारा निर्मित परियोजनाओं में अभिनय कर रहे हैं। द पैराडाइज में खलनायक की भूमिका निभाने का उनका निर्णय फिल्म के लिए सफल साबित होगा। फिल्म में मोहन बाबू और नानी के बीच दमदार सीक्वेंस देखने को मिलेंगे।

दो भागों में रिलीज होगी फिल्म

सिकंदराबाद के बैकग्राउंड पर आधारित द पैराडाइज एक बीते युग की अनोखी दुनिया की कहानी बयां करेगी। यह फिल्म एक हाशिए पर पड़ी जनजाति की कहानी है, जिसके अधिकार छीन लिए गए हैं और जो एक नेता में आशा ढूंढती है। नानी और श्रीकांत ओडेला ने फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाने की योजना बनाई है और इस परियोजना का प्रीमियर दो भागों में हो सकता है।

द राजा साब बड़े पर्दे पर कब देगी दस्तक? प्रभास की फिल्म पर आया नया अपडेट

सलार के बाद दर्शकों को प्रभास की अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म का नाम द राजा साहब है। यह एक हॉरर-कॉमेडी ड्रामा है। इसका निर्देशन मशहूर निर्देशक मरुति ने किया है। फिल्म में प्रभास मुख्य भूमिका में हैं। वहीं, निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन और रिद्धि कुमार जैसे सितारे अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। शुरुआत में द राजा साहब को 10 अप्रैल, 2025 को रिलीज करने की योजना थी। अब मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो निर्माता इस फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक द राजा साब को अगस्त 2025 के मध्य में रिलीज करने की तैयारी की जा रही हैं। खास बात यह है कि फिल्म को कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा ताकि ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक यह अपनी पहुंच बना सके। जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद जताई जा रही है।

संजय दत्त भी हैं फिल्म में

इस फिल्म में बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता संजय दत्त भी एक महत्वपूर्ण किरदार में दिखेंगे। उनकी मौजूदगी की वजह से यह फिल्म और रोमांचक हो गई है। द राजा साहब का निर्माण टीजी विश्व प्रसाद ने पीपल मीडिया फैक्ट्री बैनर के तहत किया है। फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार थमन ने तैयार किया है।

इन फिल्मों में नजर आएंगे प्रभास

वर्क फ्रंट की बात करें तो प्रभास जल्द ही कन्नप्पा में नजर आएंगे। फिल्म में वह विशिष्ट भूमिका में हैं। वहीं, उनके पास प्रशांत नील की फिल्म सलार 2 भी है। इसके अलावा वह संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट में भी काम कर रहे हैं। फिल्म में वह पुलिस अफसर की भूमिका में दिखेंगे।

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट और संपादक ओमवीर आर्य द्वारा पता वत्स ऑफसेट मुद्रा हाउस, ब्लॉक-सी, बरात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जनपद गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण जिला एवं सत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673